



पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ भारत
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Chhattisgarh, India
Estd-1964 – recognized by UGC U/s 2(f) and 12 (B)
NAAC “A” Grade

CRITERION-III

EVIDENCE(S), AS PER SOP

METRIC No. 3.7.2	Number of functional MoUs with institutions/ industries in India and abroad for internship, on-the-job training, project work, student / faculty exchange and collaborative research during the last five years
<ul style="list-style-type: none">• List of activities conducted under each MoU• E-copy of the MOUs endorsed by both the parties	



पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

दूरभाष : 0771-2262802 (अकादमिक), 0771-2262540 (कुलसचिव), E-mail ID- academicprsu2@gmail.com

क्रमांक : 237 / अका. / 2020

रायपुर, दिनांक : 15 / 09 / 2020

॥ अधिसूचना ॥

विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 09.09.2020 में अध्यक्ष के अनुमति से अन्य निर्णय क्रमांक 2 में विनियम "समझौता-ज्ञापन Memorandum of Understanding (MoU)" की अनुशंसा का अनुमोदन कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 10.09.2020 में पूरक विषय सूची क्रमांक 01 में अनुमोदित किया गया है, जो निम्नांकित है -

विनियम क्रमांक-183 ✓

समझौता-ज्ञापन

Memorandum of Understanding (MoU)

(EC Under 10-09-2020)

- बदलते वैश्विक परिदृश्य में समझौता-ज्ञापन (Memorandum of Understanding, (MoU)) एक दैनंदिनी कार्य एवं आवश्यकता हो गई है।
- विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों तथा अध्यापकों की कार्यकुशलता/ गुणवत्ता में परिवर्धन (उन्नयन) के लिए विभिन्न राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहभागिता बढ़ाने के लिए MoU की आवश्यकता होती है।
- इस हेतु एक पृथक रेग्यूलेशन/विनियम का निर्माण उचित होगा।
- विभिन्न MoU में विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विश्वविद्यालय के नाम का सार्वजनिक उपयोग होता है।
- विनियम में निम्नलिखित का स्पष्ट उल्लेख होना आवश्यक है -
 - प्रस्तावित आय एवं प्रस्तावित व्यय (विश्वविद्यालय पर आवर्ती वित्तीय भार नहीं होना चाहिए)
 - सभी MoU कुलपति के अनुमोदन के उपरान्त कार्यपरिषद् से अनुमोदन/कार्योत्तर अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
 - सभी MoU संबंधित शिक्षक, संबंधित विभाग के अध्यक्ष, अधिष्ठाता एवं कुलपति की उपस्थिति में कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा एवं सभी सदस्यों को सूचित किया जाएगा।
 - MoU के बारे में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय को पूर्व में ही उपलब्ध कराई जाएगी यथा -
 - उद्देश्य, कार्यक्षेत्र एवं समय-सीमा
 - प्रथम पक्ष (विश्वविद्यालय के विभाग एवं संबंधित शिक्षक) एवं द्वितीय पक्ष (संस्था) के बारे में विस्तृत जानकारी
 - बौद्धिक संपदा, प्रकाशन, एवं तकनीकी हस्तांतरण की शर्तें पूर्व में ही तय करना होगा।
 - वित्तीय प्रबंधन की शर्तें पूर्व में ही तय करनी होंगी।
 - विभाग/विश्वविद्यालय की अधोसंरचना के उपयोग, यदि प्रस्तावित है, तो उस के संबंध में विस्तृत टीप।
 - विश्वविद्यालय, विभाग, शिक्षकों, एवं छात्रों को क्या लाभ होगा इस हेतु विस्तृत टीप।

5

- सभी MoU को संचालित करने हेतु एक प्रकौष्ट का गठन उचित होगा, जो निम्नलिखित कार्य संपादित करेगा –
 - वार्षिक प्रतिवेदन।
 - वार्षिक समीक्षा।
- एक Model MoU का निर्माण किया जाना उचित होगा।

समझौता-ज्ञापन प्रबंधीकरण विनियम

(Memorandum of Understanding Management Regulation)

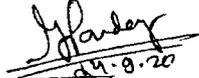
(वि.वि. अधिनियम 1973 की धारा 6 के प्रावधान के अंतर्गत निर्मित)

1. उद्देश्य – विश्वविद्यालय में होने वाले समझौता-ज्ञापनों में एकरूपता बनाए रखने के लिए इस विनियम का निर्माण किया गया है।
2. नाम – इस विनियम को "समझौता-ज्ञापन प्रबंधीकरण विनियम" के रूप में जाना जाएगा।
3. प्रारूप – इस विनियम के अधीन MoU का प्रारूप मान्य किया जाएगा जो निम्नलिखित कंडिकाओं को समाहित करते हुए तैयार किया गया हो :-
 - 3.1 MoU एक सामान्य लिखित समझौते के रूप में तैयार किया जाएगा।
 - 3.2 MoU कुलपति द्वारा गठित कमेटी द्वारा अनुशंसित की जाएगी।
 - 3.3 संस्थाओं के मध्य कार्य संबंध एवं निर्देशों को साझा करने का प्रावधान किया जाना चाहिए।
 - 3.4 MoU समान अवसर एवं समान महत्व को प्रदान करने वाला होना चाहिए।
 - 3.5 समस्त प्रभावित पक्ष को MoU की शर्तें एवं लाभ से स्पष्ट रूप में MoU के माध्यम से अवगत कराना चाहिए।
 - 3.6 MoU में अधिकार एवं दायित्व का स्पष्ट निर्धारण होना चाहिए।
 - 3.7 MoU में क्षेत्र, समय, एवं औचित्य का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।
 - 3.8 MoU के प्रभावी रहने एवं समाप्ति की शर्तें, कारण एवं अवधि का स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए।
 - 3.9 विश्वविद्यालय की ओर से MoU निष्पादित करने का अधिकार कुलसचिव को ही होगा।
 - 3.10 MoU में किए जाने वाले कार्य का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।
 - 3.11 MoU पूर्ण रूप से विश्वविद्यालय के विकास एवं अकादमिक विकास के लिए होना चाहिए।
 - 3.12 MoU करने वाले पक्षों का उद्देश्य एवं लक्ष्य का स्पष्ट निर्धारण होना चाहिए।
 - 3.13 MoU को एक पक्षीय समाप्त करने का स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए।
 - 3.14 पक्षों के मध्य सामंजस्य बनाए रखने के लिए नियमित बैठकों इत्यादि का उल्लेख होना चाहिए।
 - 3.15 पक्षों के मध्य आर्थिक पक्ष के वहन करने के संबंध में प्रावधान का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।
 - 3.16 प्रकाशन, बौद्धिक संपदा एवं कॉपीराइट के संबंध में भी MoU में स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।



4. सक्षम अधिकारी - MoU करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव सक्षम अधिकारी होंगे।
5. अनुमोदन - MoU करने के पूर्व विश्वविद्यालय द्वारा इसके अनुमोदन की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। MoU करने के लिए, विश्वविद्यालय के कुलपति अथवा कार्यपरिषद् अपने वित्तीय अधिकार की सीमा में जैसा प्रावधानित हो, अनुमोदन प्रदान कर सकेंगे।
6. निरसन - MoU को समस्त पक्षों की लिखित सहमति से निरस्त किया जा सकेगा। इस का समझौते में उल्लेख किया जाना चाहिए।
7. वाद - MoU के संबंध में समस्त वाद विश्वविद्यालय के मुख्यालय में स्थित न्यायालय में किया जा सकेगा। इस का समझौते में उल्लेख किया जाना चाहिए।
8. संचालन - विश्वविद्यालय की ओर से किए जाने वाले समस्त प्रकार के MoU का प्रबंधन एवं संचालन विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धारित प्रकोष्ठ द्वारा किया जाएगा।

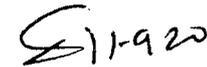
आदेशानुसार,


15-8-20
कुलसचिव

रायपुर, दिनांक : 15/09/2020

पृ. क्रमांक : 233 / अका. / 2020
प्रतिलिपि :

01. आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी.-3, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायपुर।
02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
03. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
04. समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,
05. उ.कु.स. परीक्षा/उ.कु.स. गोपनीय/विकास/उ.कु.स. सामान्य प्रशासन/वित्त नियंत्रक,
06. कुलपति के सचिव/कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।


विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (अका.)

~~R.A.2~~
Memo

2

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (MoU)

THIS MEMORANDUM OF UNDERSTANDING is made on this the _____ day of _____, 2016 BY AND BETWEEN Director, State Forensic Science Laboratory, Raipur (which expression shall unless excluded by or repugnant to the context be deemed to include its successors and assigns).

and

Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, (which expression shall unless excluded by or repugnant to the context be deemed to include its successors and assigns).

WHEREAS, the State Forensic Science Laboratory, Chhattisgarh, Raipur, India and Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, India wish to initiate cooperative activities in areas of mutual interest

WHEREAS, the two institutions wish to expand the basis for friendship and cooperative research and educational exchange between the two institutions.

NOW, therefore, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur, India and State Forensic Science Laboratory, Chhattisgarh, Raipur, India establish the following understanding:

1. Exchange of Academic Staff

The two institutions may nominate members of their academic and/or scientific staff to participate in exchanges for the purpose of lecturing, study, research, and student research supervision, subject to approval by both the institutions

2. Visiting Academic Staff

Either institution may invite faculty members of the other institution for the purpose of advanced study, analysis or research work subject to the approval by host institution.

3. Visiting Research Fellows

Either institution may nominate one or more of its faculty member(s)/research scholar(s) to visit the other institution for the purpose of advanced study, analysis or research work, subject to the approval by host institution.

4. Joint Research Project

Faculty of both institutions may submit Joint Research Proposals in the areas of mutual interest, subject to the approval by both institution to the international, national or state level funding agencies. The working mechanisms shall be worked out as per the specific programme.

5. Share Laboratory Facilities

The laboratory facilities at both the institutions may be shared used by Faculties, Researchers, Ph.D. Scholars and Scientific/Technical Staff. Thus, the laboratory facilities at both institutions may be treated as Research Centers.

6. Share Library Facilities/Data for Research Work

The facilities of references, books, journals, etc. and non propriety data sets may be shared by Faculties, Researchers, Ph.D. Scholars and Scientific/Technical Staff.

7. Short Term Training Programmes

Either institution may provide short term training programmes for newly recruited scientists, trainees and students belonging to both the institutions.

8. Awareness

Either institution may encourage forensic science awareness programmes among forensic personnel, other working staff and students as desired by Ministry of Home Affairs, Government of India.

9. Job opportunities

Either institution may provide job opportunities for scientists and research scholars on contractual basis, as per guidelines laid by the competent authorities, if possible.

10. Organizing Conferences / Seminars / Workshops

Either institution may invite scientists, students, research scholars and forensic professionals/scientists to participate in national or international conferences, seminars and workshops organized by either.

TERMS OF COOPERATION AND COORDINATION

1. Specific terms of cooperation for each of the collaborative components initiated under this Memorandum of Understanding (MoU) shall be mutually discussed and agreed upon in writing by both parties prior to implementation.
2. Each institution shall designate a Nodal Officer who will develop and coordinate the various activities agreed upon. Through these officers, either party may initiate proposal for additional cooperative activities.

3. The parties will work to identify the resources needed to carry out the activities described in this Memorandum of Understanding (MoU).

RENEWAL, AMENDMENT AND TERMINATION

1. This Memorandum of Understanding (MoU) becomes effective on the date of signature by the both parties. It may be expanded or amended by mutual agreement of the parties. It may be renewed every five years without change on this date unless, one party gives notice of six months in advance that it wishes to terminate the agreement.

2. For these purposes, the responsible parties will be: the Director, State Forensic Science Laboratory, Chhatniguda, Raipur, and the Vice-Chancellor of Pt Ravishankar Shukla University, Raipur, India.

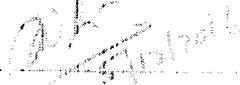

Director, M. W. Ansari
State Forensic Science
Laboratory
Govt. of Chhattisgarh
Raipur (C.G.)


Vice-Chancellor
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur, Chhattisgarh

Witnesses


(Dharmesh Singh)
Registrar
Do R.K. Gupta
Joint Director

Witnesses


(Prof. Madhukar Khatke)
SIS in Anthropology

राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, रायपुर (अन्तीसगठ)

क्रमांक / सन्धाविघ्न / स्था. /

/ 2017

दिनांक

// आदेश //

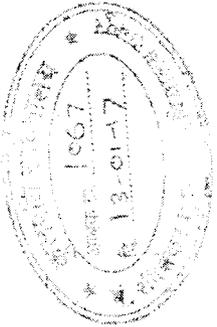
पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर एवं राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर के मध्य सौथ केंद्र स्थापित करने हेतु दिनांक 05.12.2016 को एमओयू में परामर्श हुआ है। एमओयू में दिये निर्देशानुसार शाय केंद्र के विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारियों को राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर से डॉ.शिखा तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, को नियुक्त अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

(एम.कल्याणु अंसारी) कर्मचारी
महानिदेशक-सह-संचालक
राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला
रायपुर (छ.ग.)

पृष्ठां. क्रमांक / सन्धाविघ्न / स्था. / 415-6 / 2017
प्रतिलिपि :-

दिनांक 04/01/2017

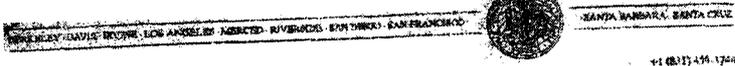
1. कुलपति, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की ओर सूचना सूचनाओं।
2. रजिस्ट्रार, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर को सूचनाओं।
3. सम्बुक्त संचालक / सहायक, प्रशासन / भौतिकी, बॉलस्टिकस / प्रभागी अधिकारी बायोलॉजी, सन्धाविघ्न रायपुर को सूचनाओं।
4. डॉ. शिखा तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, सन्धाविघ्न रायपुर को सूचनाओं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
5. मुख्य लिपिक / कंटि लिपिक / प्रकृतावली / स्टोर कीपर / पीए को सूचनाओं।



Office

(एम.कल्याणु अंसारी) कर्मचारी
महानिदेशक-सह-संचालक
राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला
रायपुर (छ.ग.)

1



DEPARTMENT OF PHYSICS
111 WINTERBURNER STUDIES BUILDING
1750 HIGH STREET, SANTA CRUZ, CALIFORNIA 95064

TEL (831) 456-1766
FAX (831) 459-3003

June 22, 2011

AGREEMENT
BETWEEN
THE DEPARTMENT OF PHYSICS, THE UNIVERSITY OF CALIFORNIA, SANTA CRUZ
AND
PT RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.) INDIA

This Agreement is made by THE DEPARTMENT OF PHYSICS, UNIVERSITY OF CALIFORNIA, SANTA CRUZ (UCSC) and PT RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.) INDIA (PRSU), on June 22, 2011. UCSC and PRSU recognize the value of educational, cultural, and scientific exchanges between international research universities, and have determined that sufficient interest exists to establish a formal relationship to encourage the exchange of faculty, researchers, and graduate students. To accomplish this,

UCSC AND PRSU AGREE AS FOLLOWS:

1. Each institution will encourage members of their faculty and research communities to participate in this program. The acceptance of any participants will be at the discretion of the host institution.
2. The funding of the travel and accommodation costs of participants in the exchange program shall be the responsibility of the sending institution, unless both institutions agree to make alternative funding arrangements. It is understood that both institutions normally will need to seek such funds from extramural sources if available.
3. Each host institution will provide Visiting Scholar or Researcher status for exchange faculty and

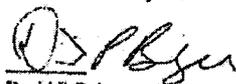
researchers accepted from the sending institution. When possible, the host institution will provide appropriate working space and access to library, computer, and related facilities.

4. The parties will facilitate the exchange of graduate students. Admission to degree programs will be subject to normal admission requirements and the approval of faculty in charge of the intended program of study. Affiliations and facilities for non-degree students will be considered on a case-by-case basis by the receiving institution and are subject to specific acceptance by the particular department or other responsible unit of the host institution. The financial support of such students shall be the responsibility of the sending institution, unless both institutions agree to make alternative funding arrangements. At SANTA CRUZ, the student will become a Visiting Student Researcher in the Visiting Scholar and Post Doctoral Affairs Program. The student may then audit nonimpacted classes at UCSC, subject to instructor approval. Students may take up to four courses per semester. Students may receive credits for research. Selection of students shall be made jointly by both institutions. UCSC students hosted by PRSU will not pay tuition fees. All PRSU students must have health insurance coverage for themselves and all accompanying dependents for their entire stay at UCSC. This health insurance must meet specific requirements compliant with the U.S. Department of State Exchange Visitor (J-1) Program. If the visiting student's health insurance does not meet the specific requirements, the A student must purchase health insurance through UCSC. All expenses of students will be underwritten by the students or their sponsoring agencies. This is not intended to preclude the possibility that an exchange student may apply for and be awarded a scholarship or similar grant for which he or she may be eligible.
5. The two universities will exchange academic materials of mutual interest, including such items as scholarly publications, curricula information, and pertinent research reports, on a voluntary basis. While the spirit of this agreement encourages exchanges of academic materials, neither institution is obligated to furnish specific documents or a predetermined quantity of documents to the other.
6. The two universities will seek to invite representatives of each other's academic community, when appropriate, to participate in scholarly conferences and colloquia.
7. The visiting scholars participating in the program shall be subject to the host university's policies and regulations concerning academic personnel and intellectual property.

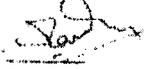
TERM AND TERMINATION:

This agreement is expected to operate for five years with the possibility of renewal; however, if either institution desires, it may be terminated at any time after the first six months by giving six months' prior written notice to the other.

UNIVERSITY OF CALIFORNIA,
SANTA CRUZ
Department of Physics


David P. Belanger, Chair

PRAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY
RAIPUR (C.G.) INDIA



Prof. S. K. Pandey
Vice-Chancellor
Vice Chancellor


R.C. Agrawal
Professor and Head

Pr. Ravishankar Shukla University
RAIPUR (C.G.)

2

Memorandum of Understanding (MOU)

between

**Pt. Ravishankar Shukla University Raipur,
Amanaka G.E. Road, Raipur (CG) 492010
- hereinafter referred as PRSU**

&

**Chhattisgarh State Renewable Energy Development Agency
(CREDA),
V.I.P. Road (Airport Road), Near Energy Education Park, Raipur,
C.G.492001 - hereinafter referred as CREDA**

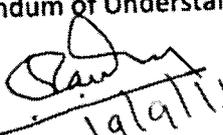
PRSU-CREDA RENEWABLE ENERGY COOPERATION

This Memorandum of Understanding (MOU) memorializes the Participants intent to cooperate to maximize the benefit of their respective institutional interests.

Online Lecture and guidance for project are provided by Expert of
University of California

4. Both Parties agree to exchange their faculties/ engineers and evolve curricula for facilitating this exchange programme for their upgrading their knowledge and skills;
5. It is also agreed that PRSU will help CREDA in the form of testing and consultancy provider in the Projects based on Renewable Energy and Energy Conservation/Efficiency. It was noted that PRSU already is having some infrastructure for testing and monitoring electrical parameters of Solar Systems and Electrical equipments which they will upgrade to the required level with the assistance and guidance of CREDA and shall carry out these tests of electrical equipments, water, chemicals, solar thermal, PV products etc. PRSU norms will be followed for the claim of testing and consultancy fees.
6. It is also agreed that depending on the availability of testing facilities at PRSU, CREDA will avail facilities for testing of products like Solar Lanterns, Solar Task Lamps, Solar Study lamps, Solar Home Lighting Systems, Inverters, Charge Controllers, Power Conditioning systems, Solar Pumps, Solar Cookers, Solar Water Heating Systems, Energy Efficient Lamps etc.
7. It is also agreed that CREDA will assist PRSU in getting the financial assistance and accreditation of an Approved Lab, by the Ministry of New & Renewable Energy (MNRE), Govt of India & Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Govt of India.
8. It is also agreed that CREDA will organise training programs for students of Bachelor of Vocation in Renewable Energy Technology & Management and extend support to this course that will give birth to a young dynamic generation of engineers who will inherit the challenge of creating a sustainable future.
9. Both Parties agree to constitute a Standing Committee comprising of equal number of Members from both the organisations with a rotating Chairman to formulate future programmes of collaboration and review the progress of their implementation.
10. This MoU will take effect from the date it is signed by representatives of the two organizations. It will remain valid for a period of five years. This MoU will be reviewed after two years; the terms of this MoU may be amended by mutual written agreement prior to the date of review. Any extension to this MoU will be formally agreed in writing by both Parties.
11. Either party may terminate the MoU by giving written notice to the other party three months in advance. Once terminated, neither PRSU nor CREDA will be responsible for any losses, financial or otherwise, which the other organization may suffer. However, PRSU and CREDA will ensure that all activities in progress are allowed to complete successfully.

This Memorandum of Understanding is signed at Raipur on 19/09/16


(Dr. Sheo Kumar Pandey)

Vice-Chancellor

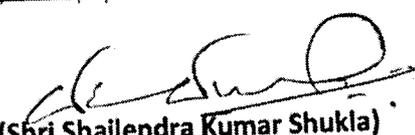
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Chhattisgarh State Renewable Energy Development Agency

(PRSU) Raipur (CG)

Vice Chancellor

Pt. Ravishankar Shukla University

RAIPUR (CG)
Witness 1


(Shri Shailendra Kumar Shukla)

Director

(CREDA) Raipur (CG)

Memorandum of Understanding (MOU) between Pt. Ravishankar Shukla University Raipur, Amanaka G.E. Road, Raipur (CG) 492010 & Chhattisgarh State Renewable Energy Development Agency (CREDA), V.I.P. Road (Airport Road), Near Energy Education Park, Raipur, C.G.492001, Dated. 19th September 2016.

Whereas Pt. Ravishankar Shukla University Raipur, hereinafter called PRSU, is the leading body of higher education and research, funded by the state and central government and having the status of the largest & one of the oldest University of Chhattisgarh with 244 affiliated colleges and has been ranked country's 46th best University by the Union Human Resources Ministry's National Institutional Ranking Framework (NIRF) 2016. The University has 28 teaching departments which offers seven under-graduate and Thirty Eight post-graduate programs in various disciplines besides being a well-known centre for Ph. D. Programmes;

Whereas Chhattisgarh State Renewable Energy Development Agency, hereinafter called CREDA has been constituted under the Department of Energy, Government of Chhattisgarh for implementation of various schemes pertaining to Renewable Energy sources and Energy Conservation activities;

Whereas PRSU has specialisation in Optoelectronics , Photonics, Semiconductors ,Organic Electronics, Modelling Solar Photovoltaics, Physics & Astro Physics, Thin Film deposition, geological and Water Resource Management, Energy management, Power electronics, chemical and physical testing, telecommunication etc and started a UGC approved three year Degree course **Bachelor of Vocation in Renewable Energy Technology & Management** under the National Skill Qualification Framework

Whereas CREDA, as State Nodal Agency, is engaged in implementation of programmes of the Ministry of New & Renewable Energy (MNRE) of the Government of India such as Solar Thermal, Solar Photovoltaic, Remote Village Electrification, Bio-mass Gasifier etc. and is also the State Designated Agency (SDA) of Bureau of Energy Efficiency of Ministry of Power, Govt of India, to coordinate, regulate, implement and enforce the provision of the Energy Conservation Act 2001.

Whereas both Parties had extensive discussion and consultation with a view to synergising their knowledge, capability, experience and expertise;

Purpose

The objective of this Memorandum of Understanding is to promote a mutually beneficial partnership between the Parties in the field of renewable Energy to promote transtion to low carbon economies. This MoU will facilitate CREDA to contribute to the B.Voc.in Renewable Energy Technology & Management and other Programmes through exchange of ideas and expertise, and guest faculty.

Both Parties have decided to enter into a Memorandum of Understanding, herein after called MOU, as follows:-

1. Both Parties, one being the leader in Renewable Energy and Energy Conservation/Efficiency in the State and the other being the foremost higher education institution of the State, agree that there is a need for collaboration between them in the overall interest of the country;
2. Both Parties recognise that there is huge potential to benefit from each other in improving their respective knowledge, expertise and experience;
3. Both Parties agree to open up their facilities, laboratories and infrastructure for their mutual benefit;

onl...
21

Dr R.C. Agrawal Registrar
HOD physics
C. D. S.

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING BETWEEN

ARYABHATTA RESEARCH INSTITUTE OF OBSERVATIONAL SCIENCES (ARIES)

AND

PANDIT RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR, CHHATTISGARH

(2011)

R-1272
21-6-11

PREAMBLE

The Department of Science and Technology (DST) and the University Grant commission have realized the need for a close linkage between National Laboratories and the Universities in terms of research and academic activities. It has been seven years since ARIES became an autonomous institute under the DST, Govt. of India. Within this short span of time ARIES has initiated a number of big impact projects in the fields of Astronomy & Astrophysics and Atmospheric Sciences. These include the 3.6-m telescope which is being installed at Devasthal in collaboration with Belgium and ST-Radar project which is being installed at the Manora Peak campus.

School of Studies in Physics and Astrophysics department of Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) has a number of faculties who are engaged in active research in the field of Astrophysics. The University is one of the IUCAA Resource Centres. The areas in which research activities are carried out at the department are; chromospherically active stars, chemically peculiar & variable stars, study of Supernovae, multi-wavelength surface photometry of early-type galaxies mainly to investigate properties of dust in early-type galaxies, galaxies from deep survey field, and theoretical investigations and modeling of galaxies. The University also has a number of small aperture telescopes essential to train M. Sc. and M. Phil. students. It is understood that to enhance the existing observing facilities, the University is setting up a bigger sized (24-inch aperture or higher) optical telescope.

The time is appropriate for ARIES and Pt. Ravishankar Shukla University to indulge in a scientific collaboration so that the younger minds graduating from the University will have a wider facilities to explore and get a flavor of research and developmental activities at an early stage. The close scientific relation between ARIES and the University can achieve an effective synergy. To further strengthen the already existing scientific relations, ARIES and PRSU have decided to sign a Memorandum of Understanding (MoU) as per the terms and conditions mentioned below.



1. GENERAL

2. ARIES scientist and faculty members of Physics Department of PRSU will work towards joint research projects thereby mutually using research facilities developed/ to be developed at ARIES and PRSU.

1.2 ARIES scientist shall participate in the teaching programs in the areas of mutual interest/departmental needs, at the Department of Physics, PRSU upon request and subject to mutual convenience. The proposal to consider ARIES scientist as Adjunct Faculty member to the concerned Department of PRSU may be submitted to the competent authority of PRSU. The Program Coordinators for coordinating the academic activities shall be HOD/Campus HOD of the concerned department from PRSU side and Chairman of Academic Committee of ARIES from ARIES side.

1.3 For supervising research leading to Ph. D. degree, PRSU will recognize and accept those ARIES scientist who has obtained a doctorate degree and published 5 research papers on concerned subject in standard refereed journals and have 5 years post-doctoral research experience.

1.4 ARIES selects students for the Ph.D program through interviews of candidates who are qualified in national eligibility tests (like JEST, CSIR-UGC, GATE and national level exam conducted by ARIES). PRSU will recognize all the students selected by ARIES.

1.5 ARIES conducts rigorous pre-Ph.D course work for the students inducted for the PhD program. The course work includes advanced topics from physics, which enables the PhD students to get acquainted with cutting edge research in the field of Astronomy and Atmospheric Sciences. PRSU will recognize ARIES course work.

1.6 The faculty and students of Physics Department of PRSU shall be allowed to use library, computer and Internet facilities of ARIES subjected to the terms and conditions of ARIES. Scientist and Ph. D. students of ARIES shall likewise be given the above-mentioned facilities at PRSU.

1.7 The faculty and the students of Physics Department of PRSU shall be issued temporary identity cards upon individual requests, by ARIES as per ARIES rules so as to provide them unhindered access to the laboratories and other facilities of the institute.

1.8 Where required, ARIES shall arrange hostel/guest house accommodation for PRSU faculty members and students coming to ARIES for research/collaborative work. PRSU shall also arrange hostel/guest house accommodation for ARIES scientist/research scholars /visiting faculties.

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

This Memorandum of Understanding is made on this the 05 day of APRIL, 2011 between **Oil and Natural Gas Corporation Limited (ONGC)**, a company registered under the Companies Act 1956, having its registered office at Jeevan Bharti Building, Tower-II, 124 Indira Chowk, New Delhi-110001 and one of its offices at Dehradun (herein after referred to as ONGC which expression shall unless repugnant to the context include its representatives, successors and permitted assignees) of the **FIRST PART** and

Pandit Ravishankar Shukla University, Raipur established under / registered under C.G. Univ. Act. 1973 (N.2) Act, having its office at Raipur, Chhattisgarh (hereinafter referred to as PRS University which expression shall unless repugnant to the context include its representatives and successors and permitted assignees) of the **SECOND PART**.

Whereas the PRS University has been established for the purposes, among others, for imparting education in Science, Arts, and the learned professions and of furthering advancement of learning and original research.

And Whereas ONGC is engaged in the business of hydrocarbons exploration and exploitation and has decided to institute ONGC Scholarships in PRS University.

Now Therefore in consideration of the mutual covenants set out in this MOU, the parties hereby agree on the terms and conditions details hereunder:

1. OBJECTIVE:

To strengthen industry-academia linkage by instituting ONGC Scholarships in PRS University for rewarding, encouraging and assisting meritorious students for higher studies in the petroleum upstream related education.

2. RESPONSIBILITIES AND COMMITMENTS:

In the spirit and context of the purpose of this MOU the parties agree to assist each other, to be committed to professional excellence, to communicate on a regular basis and to encourage open dialogue and cooperation between ONGC and PRS University.

3. SCHOLARSHIP

- i) There will be two scholarships in PRS University.
- ii) These scholarships will be called "ONGC Scholarships" and the scholarship holders will be called as "ONGC Scholars".

iii) The department / course and degree for which ONGC Scholarships will be instituted are presented in following table:

Sl. No.	Department / Course	Degree
1	Chemistry	M.Sc.
2	Physics	M.Sc.

iv) The criteria for selection of student for award of ONGC Scholarship, the scholarship amount and scholarship duration will be as follows:

Sl. No.	Degree	Year in which scholarship will be given	Qualifying criteria	Scholarship Amount (Rs per month)	Scholarship Duration
1	M.Sc.	Second Year	First rank in M.Sc. First Year	5000	1 Year

4. OBLIGATION OF PANDIT RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR:

i) The PRS University will select the student for award of ONGC Scholarship in an academic year as per the criteria detailed in 3.iv) above.

ii) The PRS University after the selection of student for ONGC Scholarship will intimate Head ONGC Academy, Kaulagarh Road, Dehradun through a written report giving detail of the student selected. Biodata and photograph of the selected student will also be enclosed with the report.

iii) The PRS University will send a written demand note to Head, ONGC Academy, Kaulagarh Road, Dehradun for release of the fund for two ONGC Scholarships in an academic year for disbursement to the ONGC Scholars.

iv) The PRS University will receive the fund for ONGC Scholarships from ONGC and will disburse the same to the ONGC Scholars regularly.

v) The PRS University will submit the ONGC Scholarship fund utilization report in respect of an academic year to Head, ONGC Academy, 9, Kaulagarh Road, Dehradun confirming that the ONGC Scholar has received the entire ONGC Scholarship amount due to him, before requesting for release of fund for the next academic year.

5. OBLIGATION OF ONGC:

i). ONGC will award two ONGC Scholarships in the PRS University detailed below:

Sl. No.	Department / Course	Degree
1	Chemistry	M.Sc.
2	Physics	M.Sc.

ii) ONGC will release the total fund for two ONGC Scholarships (scholarship at a rate of Rs. 5000 per month) in respect of an academic year after receiving the ONGC Scholar selection report and a written demand note from the Registrar of PRS University to Head, ONGC Academy, 9, Kaulagarh Road, Dehradun for release of the total fund for ONGC Scholarships.

6. VALIDITY OF MOU:

This MOU is effective from the academic year 2011-12. The ONGC reserves the right to terminate this MOU at any point of time.

7. DISPUTE RESOLUTION:

In the event of any dispute or difference between the parties hereto, such dispute or difference shall be resolved amicably by mutual consultation or through the good offices of Head ONGC Academy. In case such resolution is not possible, then the unresolved dispute or difference shall be referred to a committee consisting of two members each from ONGC and the PRS University with Director (HR) of ONGC as its head, the decision of the committee shall be binding upon both the parties. Provided, however, any party aggrieved by such decision may make a further reference for setting aside or revision of the decision to the CMD of ONGC whose decision shall bind the parties finally and conclusively.

8. APPLICABLE LAW AND JURISDICTION:

All question disputes or differences arising under out of or in connection with the MOU shall be governed by Indian Laws, both procedural and substantive and shall be subject to exclusive jurisdiction of Courts at Dehradun.

9. AMENDMENT:

This MOU may be amended in writing with the mutual consent of both parties.

10. OPERATION, CONDUCT AND IMPLEMENTATION:

PRS University and ONGC agree to nominate specific personnel for operational, conduct and implementation of this MOU.

- a. Head ONGC Academy, ONGC shall be the sole operator on behalf of ONGC.

Address : Head ONGC Academy,

KDMIPE Campus, 9, Kaulagarh Road, Dehradun-248195

Phone No. : 0135-2754283

Fax No. : 0135-2758832

- b. Registrar, PRS University shall be the sole operator on behalf of the PRS University.

Address : Registrar,

PRS University, Raipur, Chhattisgarh

Phone No. : 0771 2262540 9425522023

Fax No. : 0771 2262818

The document signed by both the parties constitutes the entire understanding between ONGC and the PRS University.

In witness whereof, the parties to this MOU through their authorized representatives have affixed their signatures on this MOU on the day and year first hereinabove mentioned.

Signed: 
Registrar

Signed: _____

On behalf of PRS University

On behalf of ONGC

Name: (K.K. Chandrakar)

Name:

Registrar PRS University, Raipur

Head ONGC Academy, Dehradun

Date: 5-4-2011

Date:

Place: Raipur

Place:

Witness: 
Registrar
PRS University
Raipur
Chhattisgarh
248195

Witness:

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

Power Sector Skills Council

And

Pt. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR

On

**Collaboration with Pt. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY,
RAIPUR**

for

Skill Development in India

Date: 28.7.2017 | Delhi | India

Memorandum of Understanding

This Memorandum of Understanding (MoU) made and entered into on this 2017 by and between the following two entities collectively referred to as "Parties" and each referred to individually as "Party".

Power Sector Skill Council (PSSC), a society, registered under Societies Registration Act 1860 and having its registered office at **Plot No. 4, Institutional Area, CBIP Building, 2nd Floor, Malcha Marg, Chanakyapuri, New Delhi – 110 021** is a nominated entity that will ensure and promote skill development and vocational education in the Power Sector (hereinafter referred to as the Power Sector Skill Council, which expression shall, unless it be repugnant to the subject or context thereof, include its successors and permitted assigns) acting through **Mr. Vinod Behari, CEO, PSSC**, authorised by Governing Board of PSSC.

AND

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur which form a leading group of educational institution based at Amanaka G.E.Road, Raipur, Chhattisgarh (India) - 492010 (Hereinafter referred to as "PRSU") which expression shall unless repugnant to the context or meaning thereof, include its successor in office and permitted assigns on the SECOND PARTY

WHEREAS this MOU is to set out the framework for working relationship between Power Sector Skills Council (PSSC) and, **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur**

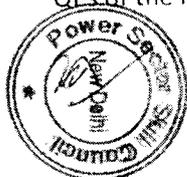
THIS MEMORANDUM OF UNDERSTANDING WITNESSES AND IT IS HEREBY AGREED BY AND BETWEEN THE PARTIES HERETO AS FOLLOWS:

The purpose of the MoU is to meet the requirement of, **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** expansion for new technical skill based manpower training and train existing employees and faculty and intern training students in chosen skills of the Power Sector.

A. Roles & Responsibilities:

Power Sector Skills Council (PSSC)

1. PSSC will enable in position of QP/NOS based & NSQF aligned courses into **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur**.
2. PSSC will explore the creation or alignments of its existing Qualification Packs (QP) / National Occupation Standards to the curriculum decided by **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** PSSC and **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** will jointly work for mapping Skills requirements of the industry demand and student requirements.
3. PSSC will support, **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** in development of their training eco-System for imparting skill based training in power sector.
4. PSSC will support **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** in training their faculty under Training of Trainer (ToT) program. for imparting skill based training under the QPs of the NSQF.



4. PSSC will support **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** in training their faculty under Training of Trainer (ToT) program. for imparting skill based training under the QPs of the NSQF.
5. PSSC and, **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** will mutually explore possibility of spreading the skilling model in other academic institutions affiliated or relate to **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur**.
6. PSSC will create awareness about the skill development programs among the **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** students and teaching community
7. PSSC will take / propose other measures as may be considered necessary to promote skill based, industry focused programs.

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

1. **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** will approve the required Qualification pack (QP)for applicable job roles, for training
2. **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** will express requirement of new QPs as per their specific needs
3. **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** Colleges will create the labs, working classrooms and teaching infrastructure as advised by PSSC for each QP
4. Develop requisite infrastructure for imparting training in specific QPs including setting up of job role specific labs, workshops etc. for applicable job roles and as suggested by PSSC.
5. **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** will provide necessary faculty for imparting the training and PSSC will support in capacity building of the faculty for teaching the QPs
6. **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** will share its expertise and best practices in training, forecasting, trends, and research etc.
7. **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** will take other measures as may be considered necessary to promote the course of skill based industry focused educational programs.

Financials:

The provision will be worked out mutually between PSSC and **Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur** as per requirements.

Duration / Term of the MoU:

- a) This MoU shall be valid for three (3) years from the date of it's entering into and may be mutually extended from time to time in writing by the parties.
- b) This Memorandum of Understanding is a document of good faith and implementation of the MoU would be monitored jointly by both the parties.

Changes / Amendment:

Changes can be made to this MoU with written consent of both the parties. Additions, deletions and/or alterations to this MoU may be effected with agreement of parties to this MoU. Documents containing such additions, deletions and/or alterations and signed by all the Parties shall form addenda to this MoU, and be deemed to be part of this MoU.

Termination:

The parties can terminate this MoU after serving 6 (six) months' notice in writing if there is failure/ breach of understanding or default by either party other than on force majeure grounds. At the time of termination neither party shall be liable to other hereunder or in relation hereto for more than the fees paid, including the amounts invoiced but not yet paid.

CONFIDENTIALITY

Each party hereby undertakes with the other party to maintain the confidential information in strict confidence and save as provided herein, not to divulge any of the confidential information to any third party and in addition not to communicate, indicate or suggest to any party not in the existence of negotiation under this MoU.

Confidential information means any and all information in whatever form, whether disclosed in confidence in writing or whether eye readable, machine readable or in any other form including, without limitation, the method of operation, the various applications, processes, strategies, data, know-how, specifications, literature and any other material made available by one party to other party under this MoU.

FUTURE COOPERATION

The present MoU describes the general condition and arrangements for future cooperation between the parties. The details of effective implementation of this MoU including consideration shall be jointly worked on mutually acceptable terms and conditions.

GENERAL TERMS

- a) This MoU is a broad expression of interest by both the parties to collaborate in a mutually responsive manner and is not intended to, and does not create any right, benefit or trust responsibility substantive or procedural, enforceable at law or equity, by either party, its officers, employees or agents against the other party, its officers, employees or agents.
- b) Nothing in this MOU obligates either party to commit or transfer any fund, assets, or other resources in support of projects or activities between the parties unless expressly stated in this agreement. Industry Partner can use PSSC or any of its intellectual property only after the written consent of PSSC.
- c) The activities of this MOU must be carried out in accordance with appropriate laws and regulations existing in INDIA.



IN WITNESS WHEREOF the Parties hereto have executed this Agreement as of the date of first written above.

Power Sector Skills Council



VINOD BEHARI
C.E.O.
PowerSector Skills Council

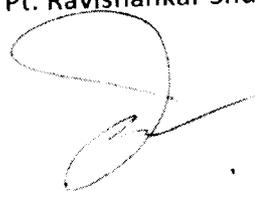
Witness:



Stamp:



Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur



Pt. Ravishankar Shukla
RAIPUR (Chhattisgarh)

Witness:

Stamp

Physical Education
Muz

3.7.12

(24)

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

**STATE PLANNING COMMISSION (SPC), CHHATTISGARH, PANDIT RAVI
SHANKAR SHUKLA UNIVERSITY (CWS), RAIPUR**

AND

SOCIETY FOR PARTICIPATORY RESEARCH IN ASIA (PRIA)

Re: Knowledge for Change (K4C): An Global Consortium for Training in
Community Based Research

Preamble

This Memorandum of Understanding (MOU) documents the nature of the collaboration between the State Planning Commission (SPC), Chhattisgarh, Pandit Ravi Shankar Shukla University (Centre for Women's Studies), Raipur and the Society for Participatory Research in Asia (PRIA), New Delhi; in support of the creation of a global training initiative "Knowledge for Change (K4C): An International Consortium for Training in Community Based Research (CBR)" under the direction of Dr. Budd Hall and Dr. Rajesh Tandon, UNESCO Co-Chairs (the "K4C Consortium").

Purpose

The K4C Consortium will build a Mentor Training Program (MTP) curriculum, which will include an online component, face to face interaction and a supervised field research. Mentors trained in the curriculum will be active in various countries, which will function as 'training hubs'. This tripartite partnership will function as one among these global hubs. The K4C Consortium will respond to the contemporary societal challenges through an international partnered training initiative focused on the development of research capacities for the co-creation of knowledge through collective action by community groups and academics on issues related to the UN Sustainable Development Goals (SDGs).

Principles of MoU

This MOU is not intended to create any legally binding obligations on SPC, PRSU or PRIA, but is intended to facilitate discussions of their shared interests and commitment to follow the proposed goals, anticipated outcomes, methodology, and management structure for realizing the objectives of the K4C Consortium.

Details of the implementation of any particular initiative resulting from this MOU shall be negotiated between the parties as each specific case may arise, and if all the three are agreed on the certain issue / issues that could be implemented / made part of agreement. All the three parties understand that financial arrangements will have to be negotiated and will depend on the availability of funds.

This MOU is valid for a period of one year from the date of signing. Any party may terminate this MOU upon 90 days written notice to the other. Modifications to this agreement may be made by mutual agreement of the parties in writing signed by the parties. Upon expiry, the parties may wish to renew the agreement in writing for a period of time to be determined by mutual consent.

Areas of exchange and cooperation

The K4C Consortium, under the overall supervision of PIA and UVic, and in partnership with SPC, Chhattisgarh, PRSU, Raipur and PRIA, New Delhi will focus on the development of research capacities for the co-creation of knowledge through collective action by community groups and academics working together in various training hubs around the world.

This will contribute to strengthening the trainees' employment and career opportunities, enhancing institutional capacity in CBR at HEIs and CSOs, and generating contextually and culturally relevant learning materials and resources in local languages, which will be accessible to students, academic researchers, activist citizens, civil society organizations and the general public.

The training hub at Raipur, with support from SPC Chhattisgarh, PRSU, Raipur and PRIA, New Delhi will focus on the co-construction of knowledge and its application to the solution of community issues linked to at least three of the UN SDGs (Indigenous development, water governance, poverty and inequality, climate action, gender equality and violence against women).

To achieve this, the expectations from the institutions, party to this MoU are:

SPC, Chhattisgarh

- Supporting the K4C Consortium
- Suggesting research themes to be undertaken, linked to local contextual issues
- Involving other universities in the state
- Using the research findings generated, to find local solutions, linked to UN SDGs.
- Providing financial support, to the tune of INR 5 Lakhs, for MTP
- **The amount of projects will be paid to Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Account No. 10049592111**

Centre for Women's Studies, Pt. RSU, Raipur

- Commit to train four mentors each, in the next four cohorts of the MTP in 2018 & 2019
- Designing and conducting the training of students and practitioners in CBR methodology
- Conduct locally relevant research, linked to UN SDGs
- Share the research findings with relevant stakeholders
- Organize six monthly sharing workshops with SPC
- Conduct locally relevant research, linked to UN SDGs "including evaluation of Government policies and schemes and suggest mid course correction and suggest measures for improved delivery through effective implementation.
- Will prepare report of activities performed, annually and share with project partners.

PRIA, New Delhi

- Organize K4C mentor training program
- Provide professional support to PRSU mentors in conducting CBR courses at the university level and in doing research
- Co-convene K4C global consortium consultations in the implementation of K4C with respect to UN SDGs.

Principles of MoU

This MOU is not intended to create any legally binding obligations on SPC, PRSU or PRIA, but is intended to facilitate discussions of their shared interests and commitment to follow the proposed goals, anticipated outcomes, methodology, and management structure for realizing the objectives of the K4C Consortium. Details of the implementation of any particular initiative resulting from this MOU

shall be negotiated between the parties as each specific case may arise, and if all the three are agreed on the certain issue / issues that could be implemented / made part of agreement. All the three parties understand that financial arrangements will have to be negotiated and will depend on the availability of funds.

This MOU is valid for a period of one year from the date of signing. Any party may terminate this MOU upon 90 days written notice to the other. Modifications to this agreement may be made by mutual agreement of the parties in writing signed by the parties. Upon expiry, the parties may wish to renew the agreement in writing for a period of time to be determined by mutual consent.

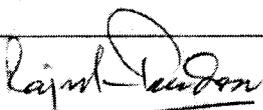

SIGNED for and on behalf of

**STATE PLANNING COMMISSION,
CHHATTISGARH**

by its duly authorized officers on the
day of 2017

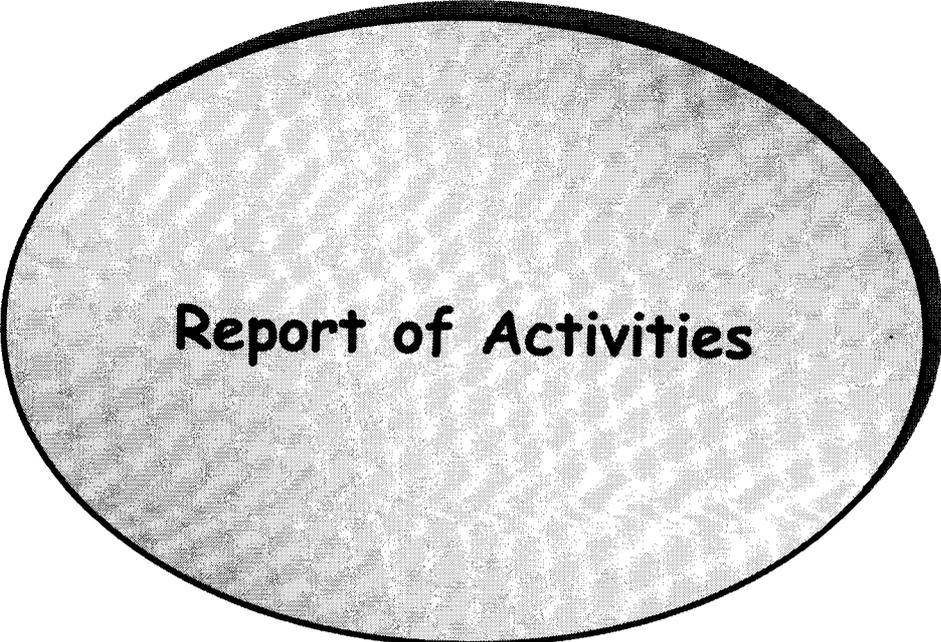

SIGNED for and on behalf of
**PANDIT RAVI SHANKAR SHUKLA UNIVERSITY,
RAIPUR**

by its duly authorized officers on the
day of 2017.


SIGNED for and on behalf of
**SOCIETY FOR PARTICIPATORY RESEARCH IN
ASIA (PRIA)**

By its duly authorized officers on the
day of 2017





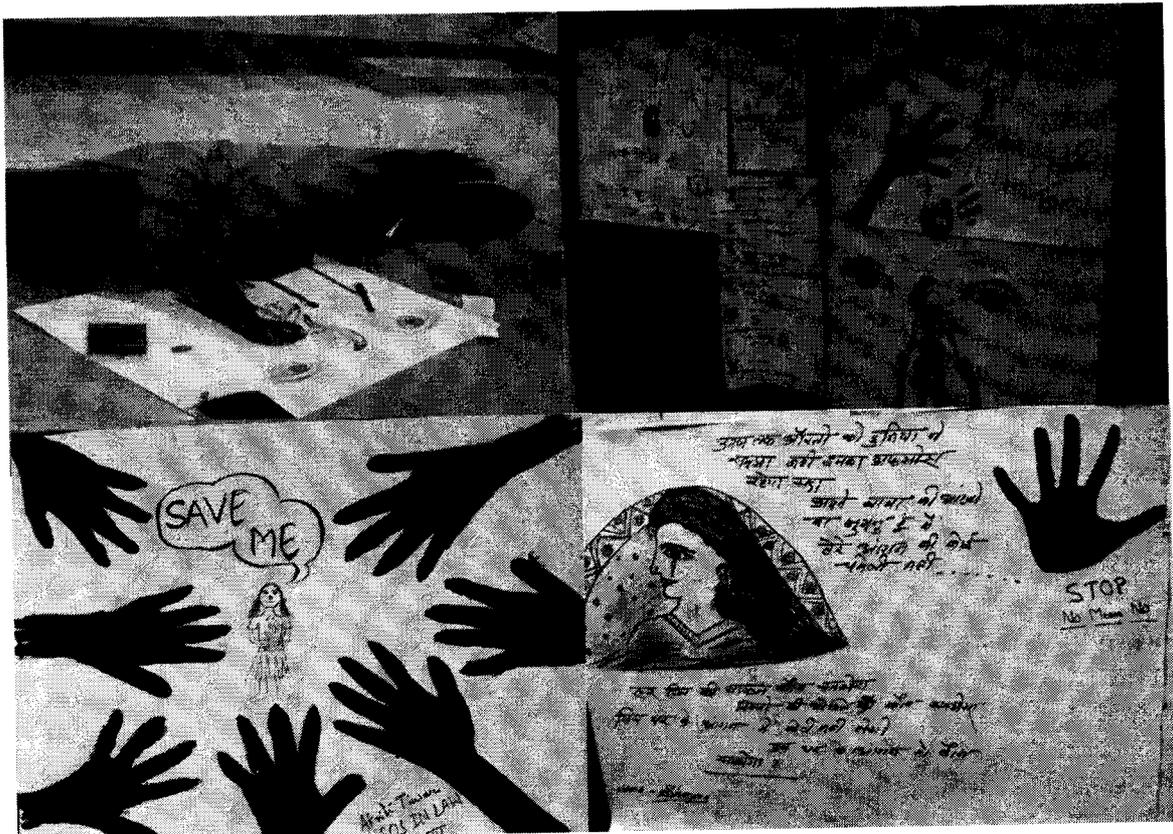
Report of Activities

Activities- I

Annexure Report I

One Day Workshop on “Women safety in the light of Kathua and Unnao rape cases” Date-19th April 2018

A participatory discussion on “Women safety in the light of Kathua and Unnao rape cases” was organized on 19th April 2018 in the seminar hall of Arts block, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). The program organized under the aegis of the Centre for Women’s Studies, PRIA and Martha Farrell Foundation, was intended to provide a platform for students and faculty members to enable open discussion on the increasing frequency of horrifying rapes in the country. Total 90 students participated 17 students expressed their opinion through painting ,15 students wrote poem on the spot and others participated in discussion.



Painting

The outcome of the program was in the form of following reactions of the students, about the heinous offence.

1. Exemplary punishment.
2. People who support such case should be punished.
3. Social networking acts as insulation factor in the crime, as well as sensitization of the masses about gender equality.
4. Awareness building amongst girls & boys.
5. Self defence course for girls.
6. Educating girls and boys regarding sexual harassment.
7. Educating about how to report the incidents.
8. Attitude change & safe environment.
9. Awareness programmes to be conducted.



Paper Cutting

**One Day workshop on “ PARTICIPATORY SAFETY AUDIT (PSA)”
in Collaboration with PRIA organization and Martha Farrell
Foundation.Date - 07th August 2018**

A workshop on Participatory Safety Audit (PSA) was organized by PRIA and Martha Farrell Foundation in community based participatory hub (Centre for Women’s Studies), Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur conducted a workshop participatory safety audit (PSA). The students were trained in mapping technique as research tool to collect information. The student used mapping technique to locate unsafe areas in the university campus. Total no. of participants from Youth Core Group were 40 (22 male and 18 female).

Recommendations of the PSA

(State separately for boys and girls)

BOYS	GIRLS
<ul style="list-style-type: none"> • Proper lighting on streets is very much required in whole campus • Number of guards should be increased in certain places so that mischief created by boys from outside can be stopped • Police patrolling is very much required in and outside the campus specially after sunset • Road to pond area should be closed • C.C.T.V. cameras should be installed everywhere in the campus 	<ul style="list-style-type: none"> • Number of guards should be increased in certain places so that mischief created by boys from outside can be stopped • Street lights should be installed wherever required • Until it’s too urgent no outsider (specially boys) should be allowed to enter the university campus • C.C.T.V. cameras should be installed everywhere in the campus



Recommendation received from the institutions/stakeholders:

- It is very important for an institution to provide safe and secured environment to students inside the campus. So, we will request VC and Registrar to:
 - ❖ To have continuous Police patrolling at night
 - ❖ Install C.C.T.V. cameras in and around the campus to increase the security
 - ❖ Increase the number of guards
 - ❖ Install street lights everywhere in the campus
 - ❖ Not to allow anyone from outside to enter the campus after the university closes
 - ❖ Close/block the road that goes towards the Pond
- Students also have to take some responsibility to stop the evil doings. The students that create such environment are from between them.

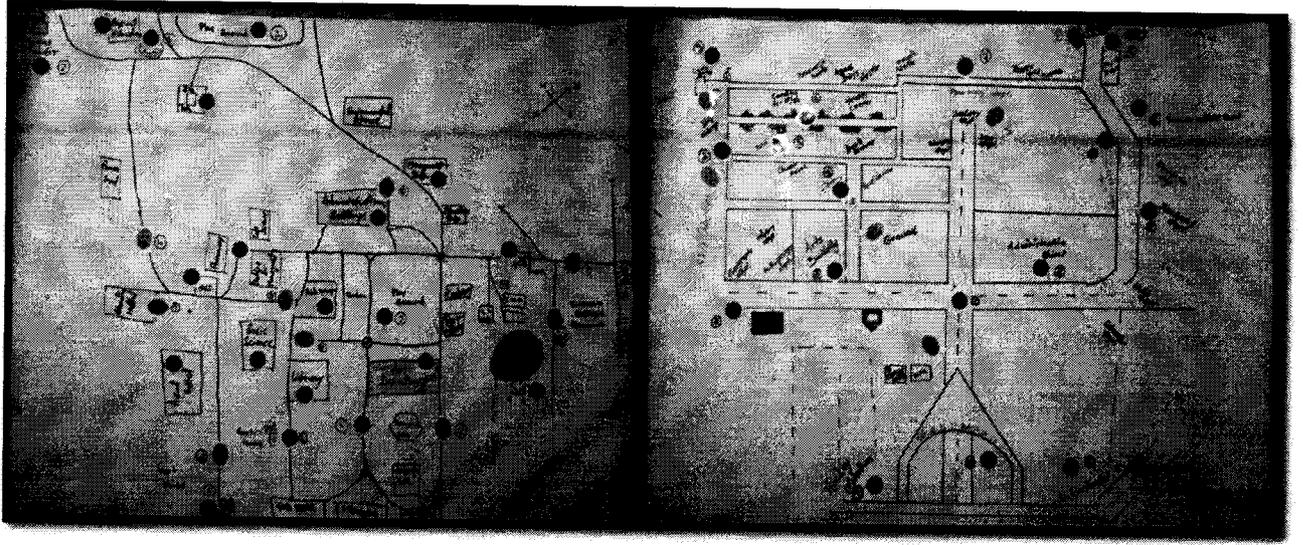
**One day workshop on “FILM APPRECIATION” on gender issue in collaboration with Oxfam India
Date 24th November, 2018.**

In film appreciation tool kit students were shown film clips related with sexual harassment and were asked their opinion on those scenes , the students were also asked what they would have done in that situation. Through the use of film cuts in Hindi, as well as through activities, and discussions, this toolkit has been used to generating a discussion on gendered social norms and on sexual harassment in workplace.

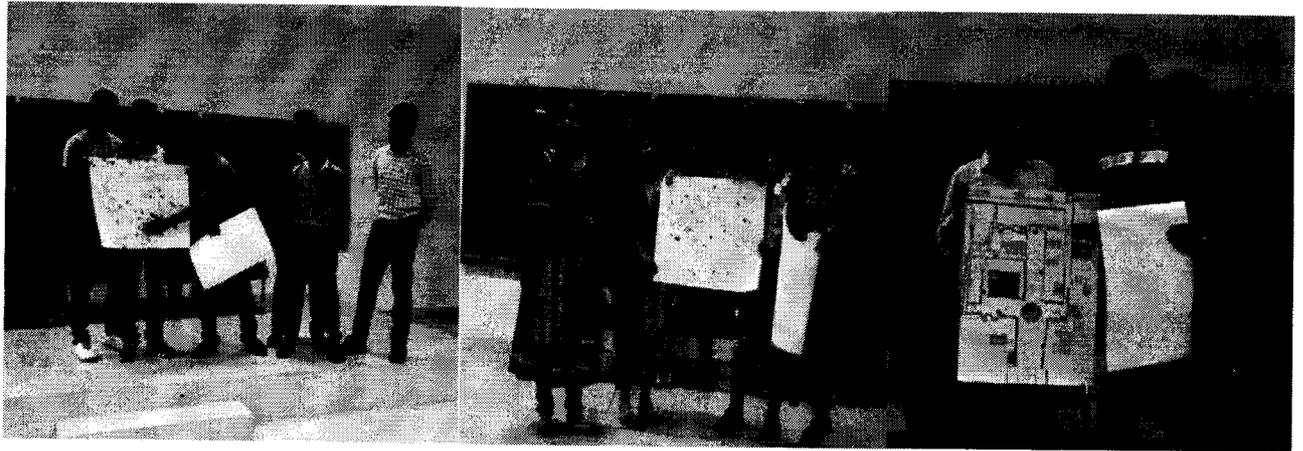
This tool was used as, young people easily recognise and to be able to identify the stereotypes and gender norms, both positive and negative, that are consciously and subconsciously promoted through popular media, and therefore, be able to evaluate the impact of this exposure in their own lives.



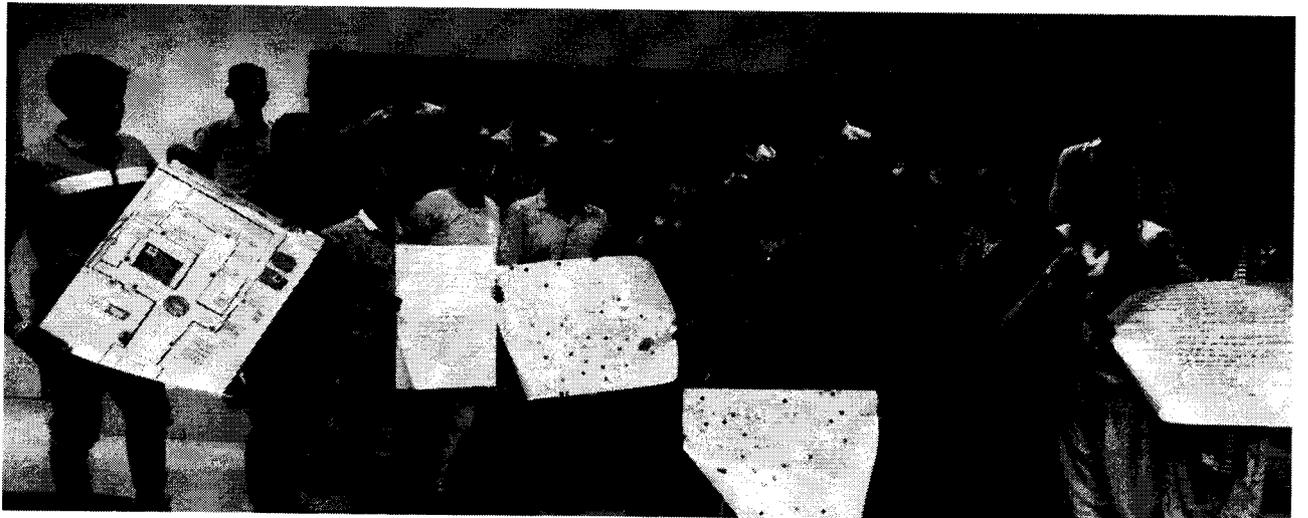
Film Appreciation Tool



University map



Sharing University map



Group Photo

Activities- IV

Annexure Report IV

Workshop on “COMMUNITY BASED PARTICIPATORY RESEARCH (CBPR)”

Date - 6th to 8th December 2018

A three day workshop on “COMMUNITY BASED PARTICIPATORY RESEARCH (CBPR)” was organized from 6th to 8th December 2018 in the seminar hall of Arts block, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). The program was organized under the aegis of the Centre for Women’s Studies, State Planning commission and PRIA.

Aims and Objective

- Background and Overview of Community-Based Participatory Research
- Difference between traditional research Method & CBPR
- Multiple methods of data collection that can provide both the "Stories and Statistics" to helpful in changing policing and norms.

The topics covered by different experts are as below.

- Introduction of CBPR
- Field experience challenges of the field in CBPR
- Ethics and Values
- Approach of the traditional research techniques
- Importance of CBPR Method
- Difference between traditional research Method & CBPR
- Field study Impact Assessment & Process of CBPR from Field Study
- Story telling method



Lecture delivered on " Importance of CBPR Method " by Ms. Nandita Bhatt , PRIA & Martha Farrell foundation



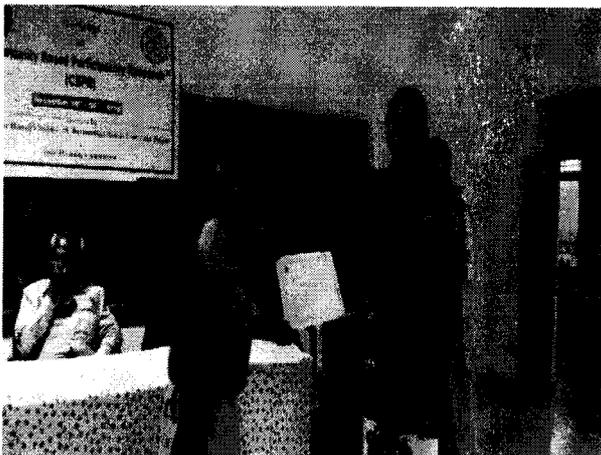
Group Discussion



Lecture delivered on " Approach of the traditional research techniques " by Mr. P.P.Soti, Member of State Planning Commission



Lecture delivered on " Story telling Method " by Dr. S.L. Shrivastava , Rtd. Professor, School of Studies In Sociology, Pt.RSU, Raipur



Certificate Distribution



Group Photograph

Two days workshop on " COMMUNITY BASED PARTICIPATORY RESEARCH (CBPR) WAY TO CONNECT HIGHER EDUCATION AND COMMUNITY " in collaboration with State Planning Commission and PRIA.

Date- 6th to 7th March 2019

A training cum workshop was conducted. The students of certificate course presented process of the field work connected by them. It was discussed how institution of higher learning can be connect to community the students were given feedback on the field work by experts.

Aims and Objective

- Presentation of the field work by the CBPR students



Presentation of the field work by the CBPR students

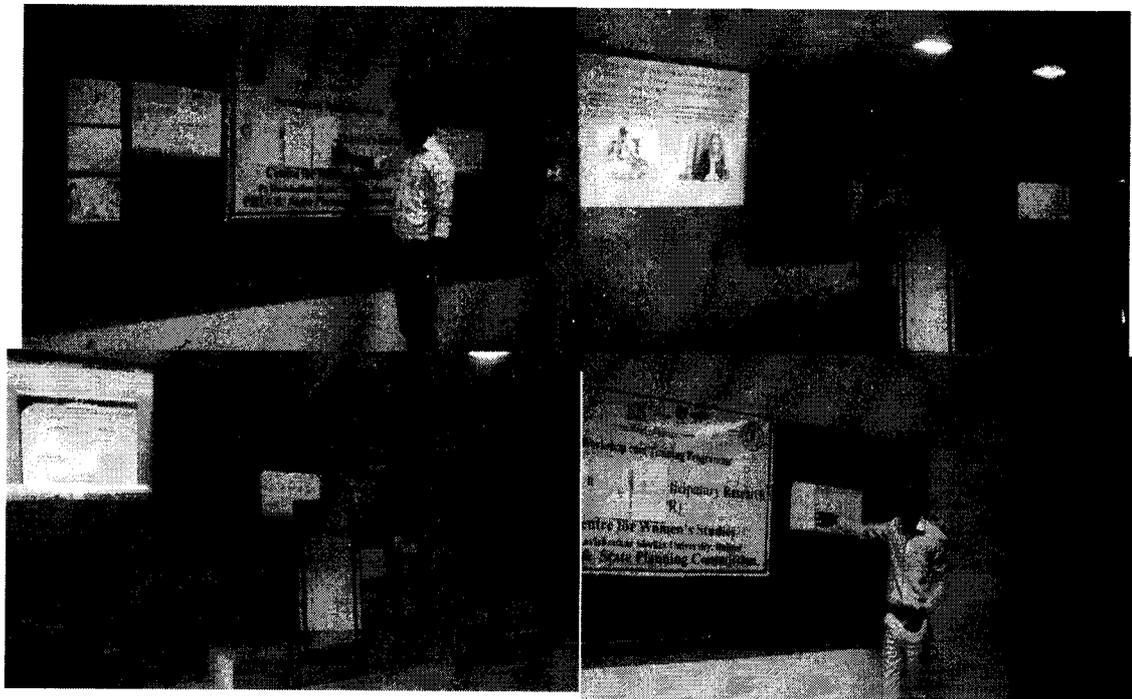
Workshop cum Training programme : Techniques in Community Based Participatory Research (CBPR) Date - 28th -30th March, 2019

A three day workshop on techniques in community based participatory research was organized between 28th -30th March, 2019 by community based participatory research (Centre for Women's Studies), Pt. Ravishankar Shukla University Raipur.

Aims and Objective

- Training of use of graphic skills (Web-Based Tools and Links) in Community Based Participatory Research.
- Sharing of the project results with community.

Graphic skills were taught to the students of community Based Participatory Research importance of pictures in building up a proper narration of a social issue or a study problem was taken up which helped the students in report preparation as well as in sharing of the project with community.



Presentation of the reports by the CBPR students

(11)
~~Geology~~
~~3.7.2~~

<https://www.prsu.ac.in/academic-departments/utd-departments/School-of-Studies-in-Geology-and-Water-Resource-Management/collaboration/14>

/

Handwritten signature

Principal
School of Studies in Geology & Water Resource Management
Prakasam State University
Prakasam, Andhra Pradesh



छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

L 973417

Place: Memorandum of Understanding

Between

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

And

Chhattisgarh Council of Science and Technology, CCOST, Raipur

Noting that Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) has an active academic program of higher education, leading to the award of degrees in the fields of Science, Life Science, Social Science & Humanities, Management, Technology and Education.

Noting that Chhattisgarh Council of Science and Technology (CCOST), is a premier State institution of Ministry of Science & Technology, Government of Chhattisgarh. This institution is mandated to execute National Projects, provide Technical support to line departments of the state in capacity building, training and research of State officials in the field of Remote Sensing and GIS.

क्रमांक 5902 दिनांक 08/07/18 कोमली 1000
 विवेकता Registrar, I.I.T. R.S.S. University
 मिवाकी Raipur रायपुर, (उ.प्र.)
 बाबत Director, General: G.S. Sand. & Research
 कक्षा Technology
 मिवाकी Raipur रायपुर, (उ.प्र.)
 वास्ते प्रो. बेंतमा कीमती
 प्रस्ताव लेते वाला



श्रीमती राजेश्वरी सरकार (प्राथमिक वेतन)
 संबन्धी ताका, रायपुर। उ.प्र. मा.सं. 98261-95702 98263-73041

Memorandum of Understanding

Between

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

And

Chhattisgarh Council of Science and Technology, CCOST, Raipur

Noting that Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) has an active academic program of higher education, leading to the award of degrees in the fields of Science, Life Science, Social Science & Humanities, Management, Technology and Education.

Noting that Chhattisgarh Council of Science and Technology (CCOST), is a premier State institution of Ministry of Science & Technology, Government of Chhattisgarh. This institution is mandated to execute National Projects, provide Technical support to line departments of the state in capacity building, training and research of State officials in the field of Remote Sensing and GIS.

hi

Recognizing that there is a need to offer the best opportunity for Indian and International students to benefit from obtaining professional degrees in the field of Remote Sensing and GIS thus contributing to the growth of awareness in the field of Remote Sensing and GIS technologies and their applications;

Realizing that the problems related to natural resources management can be addressed by means of application of Remote Sensing and GIS technology involving various stakeholders and building their capacity to address the upcoming challenges;

Realizing that collaboration between PRSU and CCOST would considerably leverage technical abilities of CCOST and PRSU and enable a framework for professional education and research programs in the field of Remote Sensing and GIS;

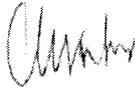
PRSU and CCOST hereby agrees to collaborate on:

- A 10-months Post Graduate Diploma programme in the field of Remote Sensing and GIS, which will be offered jointly by PRSU and CCOST.
- PRSU and CCOST will initiate 10-months programs, leading to award of PG Diplomas by PRSU.
- PRSU would admit the candidates with suitable eligibility for 10-months PG Diploma programs for award of **PG Diploma in Remote Sensing and GIS**. Fees, as prescribed by PRSU, will be payable by the students. PRSU will adjudicate the award PG Diploma to the candidates in the joint name of PRSU and CCOST.
- An Apex-Coordination Committee, consisting of the Member Director CGSAC, CCOST; Head of the Department, School of Studies in Geology & Water Resource Management; Head of the Department, School of Studies in Geography, PRSU and a Representative of Vice- Chancellor, PRSU will coordinate the program aspects and will recommend any actions to be taken by PRSU and CCOST towards the program. Scientist of CCOST will be the Member Secretary of the Apex-Coordination Committee.
- Both PRSU and CCOST will be involved in curriculum assessment and design, conduct of lectures/ practical/ field-work, examination and evaluation, project guidance and other aspects of the programs in



conformity with rules and regulations of PRSU. A Representative of CCOST and Head of the Department SoSG&WRM, PRSU will work out all the details towards this and place them before the Apex committee.

- PRSU, through CCOST, will provide assistance at 'mutually agreed terms' to enhance capacity and further build capability of PRSU in the emerging and newer fields of Remote Sensing and GIS as required, including faculty exchange between PRSU and CCOST in the education and training.
- Any changes/modifications to the MoU will be as per the agreement arrived at by the Vice-Chancellor, PRSU and the Director General, CCOST. Such changes/ modifications shall be considered as part of this MoU. This MoU will be reviewed annually.
- This MoU shall come into force from 8th day of August 2018.

For 

Chhattisgarh Council of Science & Technology, Raipur, Chhattisgarh

Dr. S. Karmakar
Director
Chhattisgarh Space Applications Centre, Chhattisgarh Council of Science & Technology, Raipur, Chhattisgarh

Date: 08.08.2018
Director
C.G. Council of Science & Technology
Raipur (C.G.) 492014

Place: Raipur

For 

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur - 492 010, Chhattisgarh

Dr. Sandeep Vansutre
Registrar
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh

Date: 08.08.2018

Place: Raipur

REGISTRAR
Pt. Ravishankar Shukla University
RAIPUR (Chhattisgarh)


Head



छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

L 244573

**Memorandum of Understanding
Between
Rajiv Gandhi National Ground Water Training & Research Institute, CGWB
And
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur**

Noting that Rajiv Gandhi National Ground Water Training & Research Institute (RGNGWTRI), is a premier national institution and training arm of Central Ground Water Board (CGWB), Ministry of Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation (MoWR, RD&GR), for capacity building, training and research in the field of ground water.

Noting that Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) has an active program of offering professional education, leading to award of degrees in the field of Geology and Water Resource Management.

Recognizing that there is a need to offer the best opportunity for Indian and International students to benefit from obtaining professional degrees in the field of Ground Water thus

R. G. S.

S. G.

li

contributing to the growth of the awareness of the ground water technologies and their applications;

Realizing that water and food security of the country can only be met through participatory ground water management involving various stakeholders and building their capacity to address the upcoming challenges;

Realizing that collaboration between RGNGWTRI and PRSU would considerably leverage technical abilities of RGNGWTRI and PRSU and enable a framework for professional education and research programs in field of Ground Water;

RGNGWTRI, CGWB and PRSU hereby agree to collaborate in two separate phases:

Phase I:

- i. A 10-months Post Graduate diploma will be offered jointly by RGNGWTRI and PRSU in field of Ground Water.
- ii. RGNGWTRI -PRSU will initiate 10-months programs, leading to award of PG Diplomas.
- iii. PRSU would admit the qualifying candidates for the 10-months PG Diploma programs for award of **PG Diploma In Applied Hydrogeology**. Fees, as prescribed by PRSU, will be payable by the students. PRSU will adjudicate the award PG Diploma to the candidates in joint name of RGNGWTRI and PRSU.
- iv. An Apex-Coordination Committee, consisting of the Member (RGNGWTRI) CGWB, Head, Department of School of Studies for Geology and Water Resource Management (SOSGWRM), PRSU and a Representative of Vice- Chancellor, PRSU will coordinate the program aspects and will recommend any actions to be taken by RGNGWTRI and PRSU towards the program. The Regional Director, RGNGWTRI will be the Member Secretary of the Apex-Coordination Committee.
- v. Both RGNGWTRI and PRSU will be involved in curriculum assessment, conduct of lectures/practical/field-work, examination and evaluation, project guidance and other aspects of the programs in conformity with rules and regulations of PRSU. The Regional Director, RGNGWTRI and Head of the Department SOSGWRM, PRSU will work out all the details towards this.
- vi. RGNGWTRI, through CGWB, will provide assistance as 'mutually agreed' to enhance capacity and further build capability of PRSU in the emerging and newer fields of ground water as required, including faculty exchange between PRSU and RGNGWTRI in the education and training.
- vii. Any changes/modifications to the MoU will be as agreed to by Chairman, CGWB and Vice-Chancellor, PRSU. The MoU will be reviewed on annual basis.

Phase II:

During the Phase II the scope for Academic Interaction shall be worked out. Both PRSU and RGNGWTRI shall encourage interaction between the Faculty, Scientists, Engineers, Research Fellows, Research Scholars and Students of both the organizations through the following arrangements:

- i. **Joint Research Projects:** PRSU Faculty and RGGWTRI Scientists will undertake user oriented joint sponsored research projects according to the following terms:
 - a. Project proposal will be formulated jointly by the concerned Faculty/ Scientists of the two organizations;
 - b. Proposal would require the approval of both the organizations;

Signature

Signature

Signature

- II. **Exchange of Faculty/ Scientists:** Both PRSU and RGGWTRI agree to exchange Faculty/ Scientists on part-time basis for the purpose of implementation of joint tasks.
- III. **Sharing of Important Facility:** The two organization's agree to share their important R&D facilities.
- IV. **Joint Conferences/ Workshop/ Courses:** Both the organization's agree to hold / conduct wherever feasible, joint conferences/ workshops/ training courses in the areas of mutual interest.
- V. **Joint PhD Programme:** The Scientists working at RGNGWTRI on a regular post and having a MSc/ME/MTech or equivalent degree from a reputed Institution/ University would be eligible to register at PRSU for PhD program as per the norms of PhD registration. For the candidates recommended by RGNGWTRI as Junior or Senior Research Fellows (JRF/SRF), selected under any joint research project, there will be a provision of joint supervision of the PhD students, as per the PhD registration norms of PRSU. Such candidates shall be treated as full-time PhD students by PRSU. RGNGWTRI JRF/SRF shall be registered under the joint supervision of a PhD guide from RGGWTRI and PRSU and the guide will be co-opted as Member of DRC/ RDC of PRSU for JRF/SRF registered under him.
- VI. **Intellectual Property Rights (IPR):** The IPR that arises as a result of joint research and collaborative activity under the agreement will be worked out on a case-to-case basis and will be consistent with the officially laid down IPR policies of both the organizations.

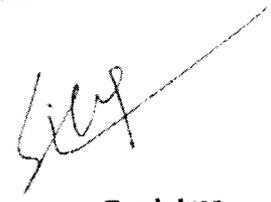
- A committee comprising of the following members will coordinate and monitor the collaboration between the two organizations:
 - a. Vice-Chancellor, PRSU or his nominee
 - b. Regional Director, RGNGWTRI or his nominee
 - c. Two representatives from PRSU – one of whom acts as a Coordinator from PRSU
 - d. Two representatives from RGGWTRI – one of whom acts as a Coordinator from RGNGWTRI

• It is mutually agreed to share the financial resources generated through any of the above activities to be contributed for "Bharat Kosh".

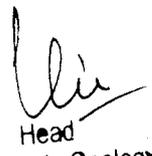
• This MoU shall come in force from the 22nd Day of October in the year Two Thousand Eighteen.



**Member
CGWB**
G. C. Pati
Member
Central Ground Water Board



Registrar
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur
REGISTRAR
Pt. Ravishankar Shukla University
RAIPUR (Chhattisgarh)



Head
School of Studies in Geology & WRM
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur-492010 (C.G.)

Chem

MCNP (W)



छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

U 369243

Article I

The parties shall work to enhance cooperation in research and capacity building at the national and regional levels in the field of earth, atmospheric & environmental sciences and water resources by collaboration and sharing of expertise on the areas mutually agreed upon including the development of Lightning Location Networking (LLN), evaluation of atmospheric carbonaceous matter over Indian regions and elsewhere and impact on regional climate change.

Article II

The Parties shall encourage exchange of experts and organize fieldwork, training programmes, study tours and other such activities jointly in order to build capacities in the areas referred to in Article I.

Article III

The Parties shall promote cooperation within the framework of joint activities mentioned in Article I through work plans to be drawn up by mutual agreement. Such activities could include a) Joint research projects b) Faculty exchange c) Sharing of R& D facilities d) Organizing Joint Conference/workshop/courses e) Joint Ph.D supervision etc. All the stated activities shall be within the operational rules and regulations of both the parties with mutual consent.

Cont.

DISTRICT TREE
RAIPUR (CH)
etc.

Article IV

Working Group shall be formed, not later than three months of the signing of MoU, comprising equal number of members from each of the Parties, which will carry out the activities to be carried out in fulfillment of the MoU. The Working Group shall endeavor to interact frequently through telephone, e-mail, and laboratory visits,

Article V

Each party shall bear the respective costs of carrying out the obligations under this agreement. Neither party shall make a claim against the other party for any expenditure unless such expenditure has been agreed upon in writing between both the parties

Article VI

This MoU shall enter into force on the day of its signing and remain in force for a period of five years, Thereafter, it may be further extended automatically for subsequent periods of five years at a time, unless either of the Parties gives to the other a written notice six months in advance of its intention to terminate it before the date of its expiry.

Signed at-----on this ----- day of----- in two original copies in English

For the Indian Institute of Tropical Meteorology, India	For the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
--	--

Suresh Tiwari
21/1/2019

(Name)
Designation

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
भारतीय उष्णकटिबंधी क्षेत्रीय मétéorology केंद्र
INDIAN INSTITUTE OF TROPICAL METEOROLOGY, RAIPUR
राजस्थान विश्वविद्यालय, रायपुर
पु. रावशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
राजस्थान विश्वविद्यालय, रायपुर (C.G.)
राजस्थान विश्वविद्यालय, रायपुर (C.G.)

[Signature]
8/1/2019

(Name)
Designation

Vice-Chancellor
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.)



छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

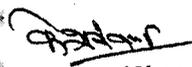
U 369231

Memorandum of Understanding

The CSIR-Indian Institute of Chemical Technology (IICT), Hyderabad hereby agrees to make Memorandum of Understanding between School of Studies in Chemistry and National Center for Natural Resources (NCNR) of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur for the collaborative work of mutual interest.

Further, the IICT, Hyderabad will meet all the financial expenditures arising due to this collaborative work.

All the research publications and patents emerged will be shared equally.


Prof. Keshari Lal Verma
(Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur)


Prof. S. Chandrasekhar
(Director, CSIR-IICT, Hyderabad)

expenditure unless such expenditure has been agreed upon in writing between both the parties

Article VI

This MoU shall enter into force on the day of its signing and remain in force for a period of five years. Thereafter, it may be further extended automatically for subsequent periods of five years at a time, unless either of the Parties gives to the other a written notice six months in advance of its intention to terminate it before the date of its expiry.

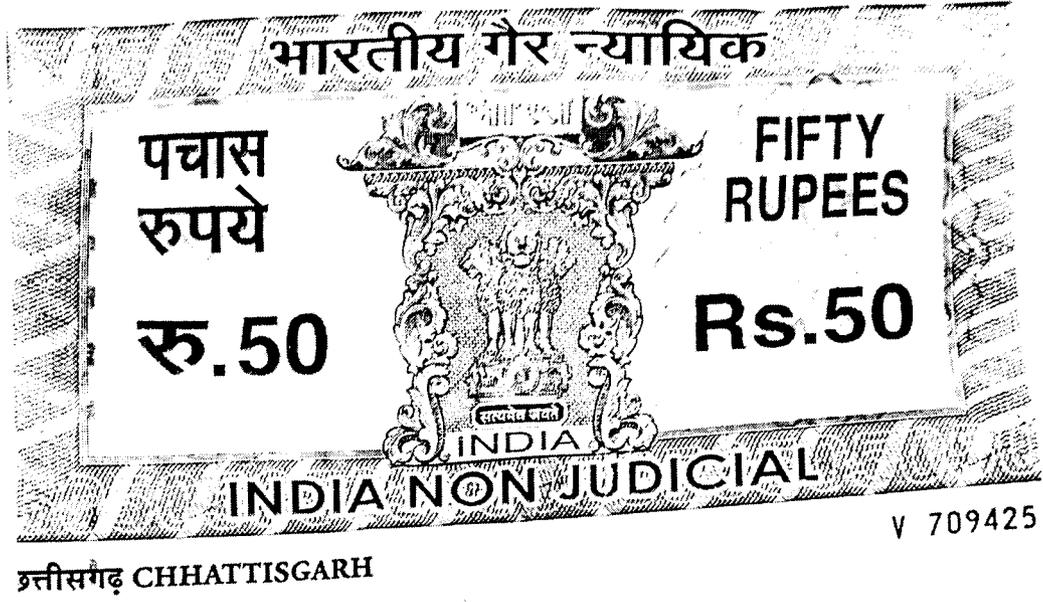
Signed at Roorkee on this 20th day of August 2019 in two original copies in English

For the National Institute of Hydrology


Dr. Ranaj J. Nayyar
(Name) Scientist E
Designation

For the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

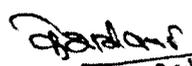

Prof. Girish Kant Pandey
(Name) Professor
Designation



Memorandum of Understanding (MoU)

The Chhattisgarh Council of Science and Technology (CCOST), Raipur hereby agrees to make Memorandum of Understanding (MoU) with Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU), Raipur for the collaborative work of mutual interests. All the research publication and patents emerged will be shared equally.


R. Prasanna, IAS
(Director General)


22/01/2019
Prof. Keshari Lal Verma
(Vice Chancellor)



सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL
Government of Uttarakhand

e-Stamp



Certificate No.	: IN-UK15924134395836R
Certificate Issued Date	: 10-May-2019 02:59 PM
Account Reference	: NONACC (SV)/ uk1214404/ HARIDWAR/ UK-HD
Unique Doc. Reference	: SUBIN-UKUK121440433756323776555R
Purchased by	: DR RENOJ THAYYEN NIH ROORKEE
Description of Document	: Article Miscellaneous
Property Description	: N
Consideration Price (Rs.)	: 0 (Zero)
First Party	: DR RENOJ THAYYEN NIH ROORKEE
Second Party	: N
Stamp Duty Paid By	: DR RENOJ THAYYEN NIH ROORKEE
Stamp Duty Amount(Rs.)	: 100 (One Hundred only)



.....Please write or type below this line.....

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING
BETWEEN
THE NATIONAL INSTITUTE OF HYDROLOGY, ROORKEE (INDIA)
AND
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR

This Memorandum of Understanding (MoU) is made between the National Institute of Hydrology (NIH), Roorkee (India) and Pt. Ravishankar Shukla University

पचास
रुपये

रु. 50

FIFTY
RUPEES

Rs. 50

INDIA NON JUDICIAL

U 369231

छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

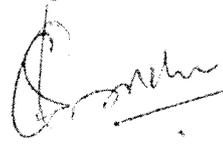
Memorandum of Understanding

The CSIR-Indian Institute of Chemical Technology (IICT), Hyderabad hereby agrees to make Memorandum of Understanding between School of Studies in Chemistry and National Center for Natural Resources (NCNR) of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur for the collaborative work of mutual interest.

Further, the IICT, Hyderabad will meet all the financial expenditures arising due to this collaborative work.

All the research publications and patents emerged will be shared equally.


Prof. Keshari Lal Verma
(Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur)


Prof. S. Chandrasekhar
(Director, CSIR-IICT, Hyderabad)



अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र : खगोलविज्ञान और खगोलभौतिकी

IUCAA

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

May 06, 2019

To,
Dr. Nand Kumar Chakradhari
Pandit Ravishankar Shukla University,
Raipur- 492 010
Chhattisgarh

Subject: IUCAA Centre for Astronomy Research and Development (ICARD)

Dear Dr. Chakradhari,

Thank you for accepting our invitation. Your Department is now an IUCAA Centre for Astronomy Research and Development (ICARD) from March 31st 2019, with you as its coordinator.

We look forward to your proposals to hold Astronomy related events, which you may send to me with a description and a budget. There is no prescribed format for such proposals, which need to be approved by the IUCAA's Meeting Committee or the Dean, VAP. Upon approval, you may request IUCAA to advance you a sum not exceeding 80% of the sanctioned budget. Utilization Certificate for each such event has to be sent separately.

If you plan to hold smaller events like seminars, IUCAA may advance you Rs. 30,000 for such activities. Please send me a request if you would like to get this advance. Utilization Certificates for these smaller activities may be sent collectively before February 2020. However, a proposal for each of these smaller activities will need to be sent to me and will be required to be approved by the Dean, VAP.

Looking forward to working together with you to promote Astronomy.

with regards,


Ranjeev Misra



IUCAA Centre for Astronomy Research and Development (ICARD)

It is proposed to have IUCAA Centre for Astronomy Research and Development (ICARD) at various Universities and Colleges. The ICARD programme would bring into its fold the various different centres that IUCAA has had in the past.

The primary functions of the ICARDs are:

- 1) To contribute to development of innovative teaching methods designed for Astronomy. This includes development of upto date course structures and new kinds of experiment/data analysis sessions which can be a part of a starting or existing Astronomy course in a University. They will try and inculcate distant learning programs and come up with suggestions as to how they can be implemented.
- 2) To hold frequent workshops/schools/meetings at various levels at the host University/College and at nearby regions.
- 3) To have an active public outreach program for Astronomy.
- 4) To be visiting Centre where nearby Astronomers can visit.

Modes of Functionality:

Funding for these activities may be provided by IUCAA. For each activity (such as seminars, workshops, meetings) the ICARD may make a proposal to IUCAA with a budget for approval. The ICARD may also make other requests (such as setting up a facility for distant learning), which will be considered on a case by case basis. The ICARDs are encouraged to come up with innovative plans to enhance Astronomy in their regions taking into account the local logistics and requirements.

A running expense up to Rs. 30,000 will be provided to each ICARD as per need. This expense will be used for small day to day costs such as a visit by a scientist from another University, consumable stationery etc.

All financial transactions from IUCAA to the ICARD will be made through NEFT transfer to an official account of the University/College/Institute. Earlier IUCAA centres which have had separate accounts in the centre's name, should be terminated and the remaining funds returned to IUCAA. Utilization Certificates and statement of expenditure for the finances provided by IUCAA, will be prepared and sent by the ICARD to IUCAA. The ICARD will also send before February 1st the details of the expenditure incurred in the running costs.

IUCAA will not lend any asset to the ICARD, except as required and sanctioned by specific proposals made and approved by IUCAA. IUCAA assets in earlier IUCAA centres will be disposed/returned/retained through a separate process. ICARDs will have a validity of two years beginning from March 31st of the year of the acceptance of the invitation to become an ICARD. ICARD must provide routine updates and reports of their activities which must be at least once a year. The reports and updates will be displayed in public view in the IUCAA webpage. Renewal of the ICARD after two years will depend on the successful activities undertaken by the Centre.



Skill India

SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

ISO 9001 : 2015 Certified

372
NSDC
National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

Date: 28th February 2019

To,
The Director,
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur, Chhattisgarh - 492010

Sub: Sanction Letter for delivery of training program under the SUPRABHA TA program

In continuation to the MoU signed under the SUPRABHA TA program, you are hereby allocated the delivery of Utility officers training program, aligned to SGJ/Q0106: Rooftop Solar Grid Engineer under the Recognition of Prior Learning (RPL) category for experienced professionals.

Further to the conditions of the MoU:

1. The training program should not be conducted for less than 20 participants
2. The average number of candidates for any program should be 30 and details of the budget for 30 participants are as follows for **Utility officers' training programs, SGJ/Q0106: Rooftop Solar Grid Engineer (2 days training program)**

Sl. No.	Description	Amount (in INR)
1	Manpower cost (Trainer and Training management)	40,000
2	Venue (including audio visual) and travel Cost	30,000
3	Food and refreshments	36,000
4	Outreach, Reference guidebooks, Pen drive, Stationary and Printing	50,000
Grand total		1,56,000

Note: No training program will be eligible to claim more than the above-mentioned amount for 30 participants. For any additional participants, INR 5200 will be provided per participant upto a maximum of 50 participants.

3. The overall cost of the program will be calculated based on completing the program. Cost would be governed on pro-rate basis.

The terms and conditions for each category of the training program have already been included as part of the MoU. The above training program will be delivered before 27th April 2019. Prior intimation of program with date and venue is required to be sent to SCGJ, atleast 10 days before the start of the program, so that SCGJ may arrange to depute the Master Trainer for handholding and monitoring of the training programs (cost to be borne by SUPRABHA TA program).

[Handwritten signature]

Skill Council for Green Jobs

3rd Floor, CBIP Building, Malcha Marg, Chanakyapuri, New Delhi- 110021
Tel: 011-41792866 | Email: info@sscgj.in | Website: www.sscgj.in

Payment release and settlement conditions:

1. 30% of the total budget per training program, against the confirmation of dates and submitting the details given below, against the proforma invoice (PI), atleast 10 days before the start of the program. The bank details to be included in the PI. In case the program is not being delivered, the advance payment of 30% must be returned to SCGJ within 7 days of cancellation of the program.

Training institution to provide the following documents along with the Performa Invoice for release of advance payment.

- i. List of final participants
 - ii. Trainer profiles of training institution
 - iii. Provide 2 sessions per day where support is required from the Master Trainer
 - iv. Provide the final agenda for the training programs
2. For the balance 70%, an invoice to be raised to PMC-SCGJ. Training institution to provide the following documents along with the Final Invoice for release of balance payment after completion of the training program –
 - I. Training completion report of the program with the complete list of participants and the faculty details, the actual program followed and the participants' feedback. (A sample format for the Training completion report is enclosed for ready reference.)
 - II. Final Invoice for release of balance payment
 - III. Audited statement of expenditure signed by CA
 - IV. Audited utilisation certificate signed by CA
 - V. Scanned Sign-in Sheets
 - VI. Photographs for each session including a group photograph and of site visit as a separate folder.
 3. The above budget is excluding GST. GST should be paid as applicable and should be reflected in the audited statements for the final release of payment by SCGJ.

Kindly send an acceptance to the sanction letter to start the delivery of training programs. Thank you for partnering under the SUPRABHA Technical Assistance program.

Regards,


Dr. Praveen Saxena, CEO

A. Responsibility of the host Institute

- Contact the DISCOMs for nomination of utility officials to participate in the training and ensure circulars are issued for such nominations by the DISCOM Head Office as appropriate.
- Required Qualification of Participants
 - The training programs are for utility officers
 - The eligibility of the participants will be as per the Qualification Pack SGJ/Q0106, with experience, to categorize them for RPL training and certification.
- Training institution to mandatorily provide min. 2 certified trainers to deliver 8 sessions in 2 days i.e. 4 sessions per day.
- Training institution to provide lunch and refreshments to all the participants, trainers and their admin staff
- Training institution to provide the required documents along with the Performa Invoice for release of advance payment. Refer **Payment release and settlement conditions mentioned above.**
- Minimum 90% attendance in the Program is a pre-requisite for certification under the National Standards
- Training Institution to coordinate with SCGJ Assessment division for carrying out the assessments and intimate the assessment date atleast 7 days prior to the assessment to carry out the assessment in a timely manner.
- Training institution to mandatorily buy the prescribed participant handbooks for the training programs being delivered with respect to the relevant Qualification Pack. The costing for each copy of the book is INR 595 and is available directly from the publisher, Taylor & Francis and amazon.com
- Training institution to ensure atleast 1 site visit outside of their own campus for effective learning. Identify a suitable Rooftop Solar System installed on the rooftop of a nearby building, and planning (including transport, if necessary) for site visit of the participants to the system as per the program schedule.
- Training institution to mandatorily arrange for a photographer to click pictures of every session throughout the delivery of training program.
- Outreach, Stationary and Printing budget includes, but not limited to, photographer, banner, folder, pen, pads, pen drives, training manuals, amongst others.
- Training institution to provide the following documents along with the Final Invoice for release of balance payment after completion of the training program

Note to all: In case the venue is finalized at the stakeholders' premises (Discoms' premise or Discoms' Training Institute in this case), the training institution may reimburse the venue charges as applicable and as charged by the Discoms and can also use that budget for the travel and accommodation of trainers who would have to travel to the said location.

B: Responsibility of PMC – SCGJ

- PMC – SCGJ to provide one Master Trainer per program
 - to support the training institution for effective delivery
 - to deliver 2 sessions per day
 - for effective monitoring and evaluation of the trainer and the training program
- Provide the draft agenda for the training programs
- Provide soft copies of the Session Presentations and study materials to the Institute well before the event for copies to be made for distribution to the participants.
- Provide the list of a few expert trainers (on need basis).
- Provide its standard design for backdrops and stationery to be used during the events.
- A standard operating manual will be provided for the implementation of the training programs covering all terms and conditions including formats to be followed.
- Assessment and certification of the participants to be carried out by SCGJ as per standard norms.





WORLD BANK GROUP



MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY



WORLD BANK GROUP



MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY



ANNEXURE-A

Application Form

Training Program on
"Rooftop Solar Grid Engineers for Utility officers"



PHOTO

Full Name of the Participant :		
Educational Qualification :		
Year of Graduation :		
Date of Birth :	Sex :	
Contact number :	Aadhaar Number :	
Email ID :		
Address :		
Participant's District :		Participant's State :
Disability, if any :		
Father's Name :		
Name of the participant's organization :		
Designation :		
Current Roles and Responsibilities in the organization :		
Major reasons for attending this training program :		
Date of the Training Program :		

Signature of Applicant :

World Bank

SUPRABHA Technical Assistance Program

Two Day Training Program:
"Rooftop Solar Grid Engineers for Utility officers"

25th -26th April, 2019

Institute of Renewable Energy Technology & Management, Pt. Ravishankar Shukla University is organizing Two days Utility Officers training programme on "Rooftop Solar Grid Engineers [QP-SG1/Q0106] under World Bank sponsored "SUPRABHA TA" Program from 25th -26th April, 2019. The training program will have five main sessions focusing on important aspects of Rooftop Solar PV that would be relevant for DISCOM management for inspection and integration of the Rooftop Solar PV systems with the grid across the consumer spectrum. The aim is to provide a thorough understanding to the DISCOM management looking after this sector on the structure of the sector, the business models, solar PV standards and certifications, risks and risk mitigation strategies and integration of the Rooftop Solar PV plant with the grid. This training would enable the trainers to receive an in-depth exposure on the subject and get equipped to effectively train Utility officers to inspect and integrate the Rooftop Solar PV systems with the grid.

Sector Council Green Jobs has developed the modules for Rooftop Solar Grid Engineers as per Qualification Pack SG1/Q0106 which is approved/certified by National Skill Development Corporation (NSDC) on Industry requirement in the field of Solar Rooftop Grid tied system. After completion of this course assessment and certification will be done by Skill Council for Green Jobs. Skill Council for Green Jobs is one of the industry led ambitious initiatives of the Government of India aligned to the National Skill Development Mission and promoted by the Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) and Confederation of Indian Industry (CII).





MINISTRY OF POWER AND RENEWABLE ENERGY



Objectives:

To provide basic information, overview and raise awareness amongst Utility Engineers on the following:

- >> Concepts, components and safety overview with specific focus on technical standards of rooftop solar system/ project
- >> Policy and regulatory framework for rooftop solar at the national and state level
- >> Different implementation/ business models followed in the rooftop solar market and role of stakeholders
- >> Compliance of rooftop solar PV systems with all relevant codes & safety requirements.



To provide specific information to the Utility Engineers on the following:

- >> Interconnection Procedures
- >> Pre-Commissioning Inspection of the Grid Connected Rooftop Solar PV Power Plant
- >> Post Commissioning Testing of the Grid Connected Rooftop Solar PV Power Plant
- >> Maintain Personal Health & safety at project site

Contents of the training program

- >> Overview of the Grid Connected Rooftop Solar PV Sector
- >> Major Components of Solar PV Rooftop System and Safety Overview
- >> Site Feasibility and Technical Due Diligence for Solar PV Power Plant
- >> Rooftop solar PV policy, Regulation and Business Models
- >> Administrative procedures for implementing rooftop solar PV projects
- >> Rooftop solar PV systems design and safety considerations
- >> Energy generation analysis and Performance Estimation
- >> Grid connectivity & inspection procedure



MINISTRY OF POWER AND RENEWABLE ENERGY



- Chief Patron :** Prof. Keshari Lal Verma, *Hon'ble Vice-Chancellor*
 : Er. Shalendra Kumar Shukla, *Chairman, CSPDCL*
 : Praveen Saxena, *CEO, Sector Council for Green Jobs*
- Patron :** Shri Sanjeev Jain, *Chief Engineer, CREDA*
 : Dr. Amit Jain, *Renewable Energy Specialist*
 : N. Y. Dinash Babu, *Team Leader, Suprabha*
 : Tanmay Bishnoi, *Capacity Building - Lead, WB SUPRABHA TA*

Target Audience

Graduate Engineers/Diploma Electrical, EEE with basic knowledge of Electrical Concepts; Solar Entrepreneurs; Public Sector Undertaking Officials; EPC contractors; MNRE channel partners; Senior Energy Department Officials of Govt. of India and Officers from State Nodal Agencies etc.

Since the program is under RPL category, the eligibility of candidates for the entrepreneurship program should have atleast 6 months experience. Preferably, they should be working entrepreneurs to apply the knowledge and training effectively or should be interested in becoming entrepreneurs

Assessment and Certification process

Certificate of Participation will be provided under SUPRABHA TA Program by Sector Council Green Jobs.



Training Materials

Practitioners guides and Presentations will provided as part of the training program. There is no Fee for training but certificate will be issued only to participants who successfully attend all scheduled sessions. Submit your registration forms ("Annexure A") through email (renewable.pnu@gmail.com) or through courier/speed post to Dr. Sanjay Tiwari, Coordinator, Institute of Renewable Energy Technology & Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur-492010, Chhattisgarh at least one week before the start of training.

For further details may contact :-

Dr. Sanjay Tiwari (9422257771), GS Rathore (9827968822), Gopal Krishna (9349640086)

Number of Seats	
No. of Seats	Selection criteria
30	First come First serve basis

BRIEFS

Residents of 65 villages still in search of water

■ Staff Reporter
RAIPUR, Apr 25

RESIDENTS of 65 villages under the Mandhar Irrigation Sub-Division are still waiting for the water to reach the local ponds even after 15 days of water being released into the main canal from Gangri Dam.

The water was released on Wednesday evening when people drew the attention of Irrigation Department officials. It's to be noted that delay in water reaching to the local water bodies has created a crisis in the villages, sparking dissent in the villagers.

Some vigilant youths of villages, Mandharbasant, Kurid, Karud, Gndhi, Sunpait, Darhe, Semu, Pipahatta, Bahaneakadi, Munahdi, Khatpi, Dhansuti, Nardaha, Semariya, Kitesar, Badgaon, and Tadgaon in limited Kisan Sangarsh Samiti convenor Bhupendra Sharma about the dire situation.

Sharma submitted memorandum to the Chief Engineer KS Dhrwad and Executive Engineer Ajay Shrivastava to draw their attention towards the problems arising at villages under the Mandhar Canal command area.

On the other side, village Nardaha delegation comprising of Janpad member Mayank Tiwari, former Sarpanch Hemal Verma, Gram Sabha President Holsak Sahu, ex-Janpad Member Chandul Verma, Ravindra Verma and others also apprised Dhrwad about the problems.

NYAY Yatra flagged off from State Capital



CPCC In-charge General Secretary Gish Dewangan along with other party leaders flagging off 'NYAY Yatra' publicity vehicle.

■ Staff Reporter
RAIPUR, Apr 25

CHHATTISGARH Pradesh Congress Committee (CPCC) In-charge General Secretary Gish Dewangan flagged off 'NYAY Yatra' publicity vehicle at state party office Rajy Bhawan on Thursday. The 'NYAY Yatra' publicity vehicle departed for Uttar Pradesh.

Chief Minister Bhupesh Baghel and other senior party leaders will campaign during the Lok Sabha

elections in Uttar Pradesh. CPCC's Communication Department Chairman Shailesh Nishu Trivedi, CPCC General Secretary Anil Bhadra, General Secretary Mahendra Chhabra, Chief Spokesman Sushil Anand Shukla, Spokesman Vikas Tiwari, Secretary Salami Kizvi, CPCC's Cultural Department Chairman Dilip Shalangi, Shamin Akhtar, Rajesh Pandey, Pravin Jain Prashant, Thakkar and Deva Mohanty were present on the occasion.

Police Jan Mitra Yojana begins

■ Staff Reporter
RAIPUR, Apr 25

POLICE Department has set in motion the process to establish mutual contact between people and police in rural and urban areas along with boosting confidence in police through the 'Jan Mitra in town' cities and 'Gram Raksha Samiti' schemes in rural areas.

Director General of Police (DGP) DM Awasthi on Thursday issued directions to all the Superintendents of Police (SPs) under the Police Jan Mitra Yojana. Station House Officers of the respected areas will divide their respective domains in 30 to 40 sectors in accordance to the size of population and held weekly meet with the residents to learn about their problems.

They shall also educate citizens on modern crimes like cyber crimes, online fraud, child fund schemes, social media related crimes, crimes against women and children.

Gazetted officers shall ensure their attendance at any one of the meetings of their area. Similarly, SPs shall also attend Police Jan Mitra meeting two times a month. These Jan Mitra committees shall be comprised of some active, clean-image residents of the particular sector.

Their names and mobile numbers shall be registered with the police. The concerned SPs and SHO's shall sort out the problems of the people with full facility. SPs shall also appoint nodal officer of Additional SP level in urban and semi-urban areas. Nodal officer shall update a register with fresh data from each sector. Each committee shall be consisted of minimum 10 to maximum 15 members.

Capacity building programme for DISCOM officials begins

■ Staff Reporter
RAIPUR, Apr 25



PRSU Vice-Chancellor, professors and officials of Chhattisgarh Power Distribution Company during a group photo session as two-day capacity building training began.

THE World Bank funded Sustainable Partnership for Rooftop Acceleration in Bharat (SAPARABH) Technical Assistance (TA) Programme was inaugurated on Thursday at Institute of Renewable Energy Technology & Management, Bhubaneswar, Odisha University (BPUT), Chhattisgarh State Power Company has nominated 100 DISCOM officers for the training programme aimed at capacity building and skill development.

Dr. Shaileendra Kumar Shukla, Chairman, Chhattisgarh State Power Companies said, "Today, we are dependent on thermal based power stations for every energy needs but the same could be fulfilled with natural sources and solar sun is infinite amount of energy source which is supplied round the year. Utilization of solar has brought revolution in energy field. Low - low weight LEDs." By using the bulb, saving 22 to 23000 MW. Referring to Swami Vivekananda, he made his statement clear that as America's soul is business and politics, so is India's religion philosophy and natural preservation and for the protection of this nature, 60 percent of the energy is produced from coal. That is contrary to nature. International Solar Alliance, whose head quarters are in India, he said.

It is envisaged online solar power trading. At present, solar power costs Rs 2.45 - Rs 2.50 PP is signing for 25 years, it is possible. CREDAI CEO Akil Katiyar said that the Government of India

has set an ambitious target for providing universal power and adequate power to the farmers of all establishments by 2022 through the '24x7 Power All Program'. The objective of the government is to bring the solar revolution to the sustainability of renewable energy by up to 100 lbs by 2022 M.N.E.L.

Katiyar said Government is exploring new strategies to make full use of the states solar energy potential.

PRSS Vice-Chancellor Prof K.L. Verma said that in the current scenario, knowing the importance of solar cell according to the requirements of the society, the university is doing the training programme along with the course. So that the awareness of the use of human resources and the use of the products will be established in the society and in this awareness initiative, we have proposed to produce solar energy at our own house, namely the college university campus, all the buildings, car parking sites and 70 acres of free land. This campus will depend entirely on solar energy within a year. This area

has been a pioneer in using solar energy.

Continuation of training programme Dr. Sanjay Tiwari said that the objective of this training programme is to provide a comprehensive understanding of the design management to the structure of the area, business model, solar PV standards and regulations, risks and risk management strategies. Installation of Rooftop Solar PV Plant with Grid

This training module will essentially provide the management facilities in order to organize the process of inspection and integration with the grid for rooftop solar systems connected to the grid connected consumer spectrum.

This is expected to simplify the grid integration of the Government of India to achieve its goal of achieving its goal of 100 gigawatts solar rooftop by 2022, as a comprehensive target of 100 gigawatts under the Jawaharlar Nehru National.

In this program, Amit Raic, Founder and Managing Director, Wudmin Energy, Poona, Paul Prameet Mudmale, Managing Director of Energiya,

Consultancy Services, K. Rathi Query, Project Officer, Gish Energy Research & Management Institute Coed

The workshop also witness power point presentations from Amit Raic, solar energy specialist and Master Trainer SUPRA Senior Council Green J and Fatmehy and Managing Director Wudmin Energy Ltd. talked on Introduction to National Qualification Framework for Solar PV Plant. The DISCOM Officers went for site visit at Gandhi Park and saw the 30KW Rooftop Solar panel and Pseudoflicated quotations and answers hour.

The Chief Guest for the event was Mr. Manoj Kumar, Founder and Managing Director, Chhattisgarh State Power Distribution Company Limited, Raipur (C.P.).

Later, Prati Praneeth took a session on Major Components Solar PV Rooftop System: Safety Overview and Feasibility and Technical Diligence for Solar PV Plant. The DISCOM Officers went for site visit at Gandhi Park and saw the 30KW Rooftop Solar panel and Pseudoflicated quotations and answers hour.

The Chief Guest for the event was Mr. Manoj Kumar, Founder and Managing Director, Chhattisgarh State Power Distribution Company Limited, Raipur (C.P.).

e-Rickshaw given to needy youth

RAIPUR, Apr 25

ORGANISING committee of Hazrat Sayed Qutub Shah Bahmatullah Ahab distributed e-rickshaw to a needy youth to earn livelihood.

Norman Akram Hamid, President of Urs and Tanvir Inzeelaniya Committee informed that on concluding day of Urs

Pak of Hazrat Sayed Qutub Shah Bahmatullah Ahab a youth Yakub Khan, a resident of Nehru Nagar was given e-rickshaw for livelihood.

Father of Yakub passed away some time back and he is the only earning member in the family.

The help given to youth will help him to support the family members, added Hamid.



Yakub Khan (second from right) with Norman Akram Hamid and other members during distribution of e-rickshaw on concluding day of Urs Pak.

'Stop drainage from discharging in Kharun river'



Retired Justice Dharendra Mishra convening meeting.

■ Staff Reporter
RAIPUR, Apr 25

SOLID Waste Management Rules (2016) Implementation Committee Chairman retired Justice Dharendra Mishra has directed for better management of waste from Railway colonies and stopping the discharge of drainage effluent in river Kharun. Constituted on the direction of the National Green Tribunal (NGT), committee formed for Urban Solid Waste Management rules 2016 implementation convened a meeting under the chairmanship of retired Justice Dharendra Mishra on Thursday.

Addressing the meeting, Mishra asked Railways Management to immediately draft proper plan for disposal of waste from their colonies and produce them to meet next up. He was quite miffed on the railway officials for not acting up on the issue till date and directed for issuing notice to the Municipal Corporation. He also directed Raipur Municipal Corporation (RMC) officials to stop the drainage from discharging effluent in river Kharun and to establish Sewerage Treatment Plant (STP) within limited time frame.

Mishra made a critical remark on Railway Administration for showing callousness in waste disposal. Discussions on organisations harming the environment were also taken place and the Chhattisgarh Environment Conservation Board to start taking action in this context.

While deliberating on the Medical Waste Management, Justice Mishra asked Health officials to set up waste processing centre for biomedical waste at appropriate distance from the big cities.

They shall also take care not to mix up the urban solid waste with the biomedical waste as both need to be processed separately. He also decided to conduct spot inspections of the works undertaken by the Bhalai Municipal Corporation (BMC).

Chhattisgarh Environment Conservation Board member Secretary RP Tiwari also asked all the concerned organisations to conform to the directions within time. All public sector enterprises shall work in accordance to the plan RMC, BMC, and civic bodies of Patan, Kasdol, Kawartha, and STCI officials gave presentations on their respective solid waste management plans.

DG Mukesh Gupta shows up for deposition to EOW



Suspended DG Mukesh Gupta going to EOW Head Quarters. (Pic by Rupesh Yadav)

RAIPUR, Apr 25

SUSPENDED Director General (DG) Mukesh Gupta on Thursday gave deposition to Economic Offence Wing (EOW) in the phone tapping case. EOW had sent him notices for deposition in two separate cases following an order issued by the High Court. Gupta came to the EOW after receiving the notices. Sources informed, DG Gupta had objected the presence of Supervisory Officer, but EOW Officials unequivocally told him that the statement will be recorded in the presence of Supervisory Officer. The questions, however, will be asked by the investigative officer.

Reportedly Gupta told the investigative officer Inspector RK Dubey that he was handling EOW operation before being appointed in the Department. Several questions on phone tapping interception were asked with copies of inter-plant orders issued by him. Besides, Gupta was asked to write appointed Riksha Nair as system administration.

The EOW officials also quizzed Gupta concerning the PDS Scan, to which he told the complete information about the case can be sought from suspended Superintendent of Police (SP) Rajnesh Singh. Since it was Rajnesh Singh who had probed the PDS Scan.

Talking to the media, Gupta stated that the noticed served to him was for today and he had asked the investigative officer to ask whatever they wanted to today only. The EOW officials, however, seconded him, saying DG Gupta will be called up for interrogation whenever they need.

BHARTI ANURVED MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
Rajul 878, B. Mahadev, Raipur, C.G. Dist.
PULGON CHOWK, DR. C.C. Phno - 9755811111 - 2222 - 4333.
Email - bhc@anurved@gmail.com

Applications are invited for the post of Principal & Professor, Raipur, Lecturer in disciplines - Rachana Shari, Kavya Shari, Samhita & Siddhanta, Dravyaguna, Rasashastra, Regnoida, Agadanta, Prasuti, Bolegna, Swasthvrta, Kayachikitsa, Shalyatantra, Shalakyantra, Panchakarma.

Qualification & Pay Scale: As per the CCM, New Delhi norms.

Interested candidates may send their all documents by registered post or email within 15 days from the date of advertisement.

Doctors HELPLINE GUID

कॉस्मेटिक सर्जरी
आइब्रो, मूँह दाड़ी के बालों का प्रत्यारोपण
चेहरे की झुरियां का इलाज (फिस लिफ्ट) - फिलर - बोटाहास - लेसर फेशियल
उत्तीसगद का सर्वप्रथम लेसर फेशियल
केश दतो में चेहरे की झुरियां दूर करने में सुकाला पाए चेहरे में चमक लाने
कालड़ा बन प्लास्टिक एवं सर्जरी सेंटर

Singhania Skin Clinic
36, 1st Floor, Gurukul Complex, Kalibadi Chowk, Raipur (C.G.)
Ph: 0771-4053211, 08223682311

Makeover
Skin, Hair & Aesthetic Centre
Add : A-36, Opp. Gokul Apartment, Near Jagannath Temple, Gayatri Nagar, Raipur (C.G.) 492007
Ph. : 0771-4020411, Mob. : 94252-14478, Visit us at : www.makeoverraipur.com.

Apollo Clinic
Expertise. Cares for you.

24th April
INTERNATIONAL NOISE AWARENESS DAY
Free Consultation - 24th to 27th April 2019

AVOID NOISE
PROTECT YOUR HEARING • PROTECT YOUR HEALTH

ARE YOUR EARS OKAY? TAKE A HEARING TEST
HEARING TEST ₹200 ₹399
PRE-REGISTRATION REQUIRED 0771-4033341/42

TIARA, A.T. CLASSIC, KHAMHAROH, ASHOKA RATNA, SHANKAR NARAR, RAIPUR (C.G.)
Online appointments : www.askapollo.com
Online reports : http://pnr.apolloclinic.com

The Hitavada :- Contact for Advertisement @ 98261-74688, 97130-14736

Memorandum of Understanding (MoU)

Institute of Tourism & Hotel Management

Pt. Ravishankar Shukla University,

Raipur

and

The Grand Neelam Hotel

Vishal Nagar,

V.I.P. Road, Raipur

This MoU is made and executed on this 25th day of June, 2020, by and between the Institute of Tourism & Hotel Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur and, The Grand Neelam Hotel, Vishal Nagar, V.I.P. Road, Raipur.

1. **First Party - Institute of Tourism & Hotel Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur**

The First Party, i.e. Institute of Tourism & Hotel Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur is an academic institution. The Institute of Tourism and Hotel Management has been a new professional discipline of the Pt. Ravishankar Shukla University at Raipur. This institute came into existence in 2002 and is the earliest Institute of Tourism and Hotel Management in entire Chhattisgarh region. As one of the flagship Institute of the University, it has been the focus of academic life in the University and has continued to build on its tradition while meeting new educational challenges.

1.1 Institute of Tourism & Hotel Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur is proposing three Skill Based Certificate and Diploma courses under National Skills Qualifications Framework, i.e.

1. Multi-cuisine Cook (NSQF level 4),
2. Street Food Vendor-Standalone (NSQF level 4) and
3. Commi 1 (NSQF level 5) for which the assistance and responsibilities of second party is expected.

2. **Second Party - The Grand Neelam Hotel, Vishal Nagar, V.I.P. Road, Raipur.**

The Second Party, i.e. The Grand Neelam Hotel, Raipur is a newly developed hotel in Raipur provides Luxurious Lodging, Plush Sitting Lounge, Conference and Banquet hall and has In-House Restaurant which Serves Multi Cuisine dishes.

3. **Responsibilities/ Deliverables (First Party)**

- Institute of Tourism & Hotel Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur will provide theoretical as well as practical classes for the learners enrolled under the skill based courses.
- Institute of Tourism & Hotel Management, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur will provide essential infrastructure for the learners enrolled under the skill based courses.

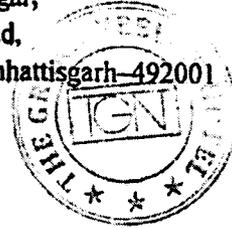
Responsibilities/ Deliverables (Second Party)

- The Grand Neelam Hotel will facilitate on-site skill training for the learners enrolled under the skill based courses.
- The Grand Neelam Hotel will provide assistance in monitoring, evaluation, assessment and updating the curriculum needs.

Now, therefore, this MOU is executed and signed at Raipur in the presence of following witness(s) on the day, month and year cited herein above.

D. Namalini
Director
 Institute of Tourism & Hotel Management
 Pt. Ravishankar Shukla University
 Raipur (C.C.)-492010
 For and on behalf of the Party
 Director,
 Institute of Tourism & Hotel Management,
 Pt. Ravishankar Shukla University,
 Raipur, Chhattisgarh- 492010 (Seal)

[Signature]
 For and behalf of the Second Party
 The Grand Neelam Hotel,
 Vishal Nagar,
 V.I.P. Road,
 Raipur, Chhattisgarh-492001 (Seal)



Witness:

1. *[Signature]*
 Aakrit Aiwaj

2. *[Signature]*
 Rajeev Mijaj

Witness:

1. *[Signature]*

2. *[Signature]*

[Signature]
HEAD
 Ancient Indian History Culture
 & Archaeology
 Pt. Ravishankar Shukla University
 RAIPUR (C.C.)



पुराकीर्ति संस्थान, रायपुर

न्यू-चंगोराभाटा, रायपुर (छ.ग.)

पंजीयन क्रमांक-122201883964 / संपर्क नं० - 9425572167

ई-मेल - purakirti@gmail.com, वेबसाईट - www.purakirti.org

National Workshop on "Harappan Stone Beads Making"

Organized by

SoS A.I.H.C. and Archaeology Pt.R.S.U. Raipur & Purakirti Sansthan Raipur (C.G.)

(14th Feb. to 18 Feb. 2019)

The study of Bead production is an essential marker in order to know about the social and economic structure of the Harappan society. It also entails to the scientific and technological advances pertaining to the cultural period and its people. This workshop aims on delivering valuable information through lectures, demonstration and practice on the bead manufacturing techniques, raw material sourcing and stylistic analysis during the Harappan period. SoS A.I.H.C. & Archaeology, Pt. R. S. University and Purakirti Sansthan, Raipur, cordially invites all the participants for the five days National Workshop on 'Harappan Stone Beads making' from 14th- 18th Feb, 2019.

Participation Details

- To apply, please visit our official website, www.purakirti.org and download the application form. Fill in the form with all the requisite details and mail it to - purakirti@gmail.com
- Participants are requested to send Registration Form (soft copy) on or before 31/01/2019 to the aforementioned e-mail address.
- Details for the payment of the fees will be sent to the registered email addresses of the participants. Participants are requested to pay the fees on or before 06/02/2019. Participation will only be confirmed after the successful payment of the registration fees.
- Registration Fees – Rupees 2000/- Registration fees + Accommodation and food.
- Rupees 1500/- Registration fees + lunch (Without accommodation)
- The demonstration on the Harappan bead making and training will be done by **Mr. Anwar Hussain and Mr. Pratabh Parmar**, former President and National awardees.
- **Venue: Arts Building, Pt. R.S. University, Raipur, Chhattisgarh.**
- The detailed programs /sessions will be communicated later.

Convener:

Prof. Dinesh Nandini Parihar
Head, SoS A.I.H.C. & Archaeology
Pt.R.S.U., Raipur C.G.

Workshop Co-ordinator:

Mr. Zakir Khan,
Secretary,
Purakirti Sansthan, Raipur, C.G.
Mo: 9425572167

<http://www.purakirti.org/events/>

HEAD
Ancient Indian History Culture
& Archaeology
Pt. Ravishankar Shukla University
RAIPUR (C.G.)

3

**Memorandum of Understanding
(MOU)**

Between



**PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY,
RAIPUR CHHATTISGARH
AND**



SRJAN SANCHAR
Ideas to Iconic institutions
Nagpur, Maharashtra

Online Lecture and guidance for project are provided by Expert of
CREDA

This Memorandum of Understanding (MOU) is entered into on July 2020 between Pt Ravishankar Shukla University, Raipur represented by the Dr. Girish Kant .Pandey, Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University and Srijan Sanchar represented by Mr. Aditendra Jaiswal, Lead Enabler Srijan Sanchar

PURPOSE OF MOU

The purpose of this MOU is to establish the terms and conditions under which Srijan Sanchar and Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur will work together in the domain of Industry academia collaboration, innovation, Entrepreneurship, Incubation, Centers of Excellence for focused research, One district One Product Programme, On institution One Initiative Rejuvenate Operate transfer model of reviving challenged knowledge base enterprises .

Parties- This Memorandum of Understanding (hereinafter referred to as "MOU") is made and entered into by and between Srijan Sanchar, whose address is, 404 Achraj Tower 2 Chaoni Sadar Nagpur and, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

Background

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur is Chhattisgarh's one of the largest and oldest State Govt. University and a leading centre of higher education and research accredited "A" by NAAC. The University was founded in 1964, and named after the first chief minister of erstwhile Madhya Pradesh and approved and registered under State Govt. Act. There are Twenty-Nine teaching departments in the University which offer seven undergraduate and Thirty eight postgraduate programs besides PhD programs covering humanities, natural science, Physical Sciences, Photonics, Renewable Energy, law, education, pharmacy, management, physical education, library science and computer science, etc.

About Srijan Sanchar

Srijan Sanchar inspired by the vision "Innovations Are Ideas In Action" is a leading organization in the field of innovation covering the entire continuum from creativity to entrepreneurship. Srijan Sanchar is working with number of industries in public and private sector to upgrade their research and design capability through collaboration with appropriate academia. It has acquired thought leadership through Development of Holonomic duals based method of problem solving. Multiple Perspective through Multiple Analogy, Creativity of constraints, S curve to J curve.

Aditendra Jaiswal

Multi Perspectival SWOT. Srijan Sanchar has to set up a entrepreneurship accelerator **SRIJAN SAMARTHAN** to transform ideas to reality. Srijan Sanchar has set up a number of Centres of Excellence in the emerging areas of innovation. Srijan Sanchar is committed to finding ideas for real solutions to real problems and ideas for exploiting emerging opportunities of cities through Innovation Challenges "Nagar Navrachna". Srijan Sanchar has conducted more than one hundred workshops on creativity and innovation in multiple institutions, research organizations, schools etc. Its Unique methodologies based on active learning states and encompasses a number of techniques wide range like visualization, auto ethnography, modelling, modular origami, movement, kinesthetics, sketching, optical illusions, brain lateralization through music and role play.

TERMS OF MOU

This MOU is effective upon the day and date last signed and executed by the duly authorized representatives of the parties to this MOU for a period of three years, the period of MOU can be extended with mutual consent.

ROLES AND RESPONSIBILITIES of SRIJAN SANCHAR

1. Srijan Sanchar will connect Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur and affiliated colleges to Industries, entrepreneurs, Industry associations, ideators, and other institutions of learning to collaborate on research projects.
2. Srijan Sanchar will assist Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur and affiliated colleges to become a Centres of Excellence in identified areas.
3. Srijan Sanchar will connect Centre of Excellence to complimentary institutions.
4. Srijan Sanchar will associate with Pt. Ravishankar Shukla University Raipur Colleges to build their research capabilities.
5. Assess core competencies identify research priorities and areas of focus.
6. Organize knowledge generating events like workshops and conferences.
7. Srijan Sanchar will identify and facilitate transfer of challenged Knowledge based for revival under Rejuvenate operate transfer model of Srijan Sanchar to Pt. Ravishankar Shukla university Raipur colleges.
8. Srijan Sanchar will share its frameworks for competency assessment of cities and districts in association with Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur and affiliated colleges for promoting One district One Product policy.

(Signature)

9. Srijan Sanchar will share its frameworks for strategic intent of institutions with in association with Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur and affiliated colleges for promoting one institution one Initiative policy.
10. Srijan Sanchar will launch front end of appropriate innovation challenges for h the colleges in association with Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur to promote ideation capability of students .

ROLES AND RESPONSIBILITIES OF PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR

1. PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR will appoint overall faculty coordinator and other lead faculty members for individual areas of strength
2. Examine opportunities brought out by Srijan Sanchar to the notice of faculties and students seeking relevant topics for, M.Sc. Electronics, B.Voc. Renewable Energy Technology & Management, M.Tech. Optoelectronics & Laser Technology, M.Sc. other subjects, M.A., M.B.A., M.C.A., B. Pharma., M.Tech., M.Phil and Ph.D projects.
3. PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR will be responsible for preparation of synopsis as defined for projects.
4. PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR will provide support in the form of physical space, faculty guidance etc.
5. COE at PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR will prepare a research landscape survey and update it annually.
6. PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR will identify suitable colleges for co creating knowledge base for One district One Product Programme.
7. Develop systems for reviving challenged knowledge base enterprises under Rejuvenate Operate transfer model of Srijan Sanchar.
8. Encourage students to participate in projects and innovation challenges

MATTERS REQUIRING UNANIMOUS CONSENT

1. Responsibility and authority of day-to-day operations will be delegated to Faculty in-charge, PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR and Lead Enabler, Srijan Sanchar

GENERAL PROVISIONS

CONFIDENTIALITY

Nitin Jaiswal

Each party agrees that it shall not, at any time, after executing the activities of this MOU, disclose any information in relation to these activities or the affairs of business or method of carrying on the business of the other without consent of both parties

ADDENDUM

- Any Addendum to this MOU shall be in writing and signed by both parties.
- The terms and provisions in this MOU also apply to any subsequent Addendum to this agreement.

INTELLECTUAL PROPERTY MANAGEMENT

Every associate of the COE will agree on assignment of inventions and confidentiality agreement. The assignment should make it clear that the technology/intellectual property belongs to the COE. The assignment is intended to remove any incentive for the associate's party to attempt to exploit the technology other than through the organization. The assignment should be permanent and survive the associate's departure from the organization. The assignment should include the associate's agreement to assist the organization in effecting the transfer, such as by executing documents that might be required to assign patents and patent applications.

PUBLICATIONS AND PATENTS

The Coordination Committee of COE shall review the patentability aspect of the research work and direct whether a patent or a publication be made.

GOVERNING LAW

This Agreement shall be governed by and construed in accordance with the laws of the State of Chhattisgarh applicable to contracts.

SUCCESSORS AND ASSIGNS

Except as otherwise provided herein, the provisions hereof shall inure to the benefit of, and be binding upon, the successors, assigns, heirs, executors, and administrators of the parties hereto, provided that none of the parties is intended to have any right, remedy, or privilege hereunder

ENTIRE AGREEMENT

This Agreement and the other documents delivered pursuant hereto constitute the full and entire understanding and agreement between the parties with regard to the subjects hereof and thereof.

Aditendraisud

AMENDMENTS AND WAIVERS

Except as provided above, any term of this MOU may be amended and the observance of any term of this MoU may be waived (either generally or in a particular instance and either retroactively or prospectively), with the written consent of any amendment or waiver effected in accordance with this section shall be binding up the parties.

Duration

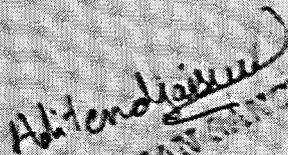
This Memorandum of Understanding shall become effective upon signing by both Parties and shall remain in effect for THREE (3) years. It may be extended further by mutual agreement. The MOU may be terminated by either party by giving six months' notice and settling all outstanding dues, if any, within that period.

Read, understood and consented

IN WITNESS, WHEREOF THE UNDERSIGNED, duly authorized thereto, has signed this Memorandum of Understanding on July 2020

Parties


12-2-21
(Dr. Girish Kant Pandey)
Registrar
Pt. Ravishankar Shukla university
Raipur Chhattisgarh


(Aditendra Jaiswal)
Lead Enabler
SRJAN SANCHAR
Nagpur, Maharashtra

Witness:


1. Dr. Sanjay Tiwari
Professor & Head
So.S. in Electronics & Photonics
Institute of Renewable Energy
Technology & Management
Pt. Ravishankar Shukla university
Raipur Chhattisgarh

2. Shri Shailendra Jaiswal
Principal Executive Director
Defence Research Development
Organisation, New Delhi

Dr. Sanjay Tiwari
Professor & Head
So.S. in Electronics & Photonics
Institute of Renewable Energy
Technology & Management
Pt. Ravishankar Shukla university
Raipur Chhattisgarh

Online Lecture and guidance for project are provided by Expert of Srijan Sanchar

7
Economics
S.F.S.

ANNEXURE - V

Memorandum of Understanding

(Draft)

Between

State Planning Commission, Chhattisgarh

And

Dr. Ravishankar Shukla University Raipur

For

Conduct of Studies / Research / Project

Date : 13/02/2021

राज्य योजना आयोग

छत्तीसगढ़

योजना भवन, सेक्टर -19, नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर अटल नगर
टेलीफैक्स : 0771-2511223 ईमेल ms.cgspc@nic.in

कमांक 396/F2(N)-05/रायोआ/अप्र/2021 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 12/02/2021

प्रति

अर्चना राठी,

सहायक प्राध्यापक,

पंडित रविशंकर शुक्ल विवि.रायपुर

विषय:- राज्य योजना आयोग को प्रस्तुत आपके अध्ययन प्रस्ताव-“छत्तीसगढ़ में स्व सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण का अध्ययन (दुर्ग एवं राजनांदगांव जिला के विशेष संदर्भ में)” के संबंध में।

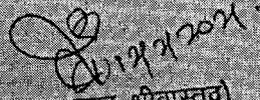
राज्य योजना आयोग को प्रस्तुत आपके विषयांकित अध्ययन प्रस्ताव “छत्तीसगढ़ में स्व सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण का अध्ययन (दुर्ग एवं राजनांदगांव जिले के विशेष संदर्भ में)” लागत रु. 3.25 लाख को “रिसर्च एवं इवेल्यूएशन समिति” की बैठक दिनांक 09/02/2021 में चर्चा उपरांत ग्राह्य योग्य पाया गया है। अतः योजना की मार्गदर्शिका अनुसार MoU संपादित किया जाना है, तत्पश्चात् स्वीकृति आदेश जारी होकर, प्रथम किश्त प्रदाय की जावेगी।

उक्त परिपेक्ष्य में संलग्न अनुसार MoU प्रारूप पर हस्ताक्षर कर उपलब्ध करावें साथ ही प्रथम किश्त हस्तांतरण हेतु निम्नानुसार जानकारी भी उपलब्ध करावें :-

1. संस्था प्रभारी का नाम व पदनाम,
2. बैंक खाता क्रमांक, बैंक का नाम एवं पता, निरस्त किया गया चेक, IFSC Code,
3. आधार कार्ड की प्रति इत्यादि संबंधित जानकारी जो कि संस्था प्रमुख से प्रमाणित हो,
4. संस्था प्रमुख और शोध/अध्ययनकर्ता का फोन नं. पता व ईमेल आई डी।

अतः लेख अनुसार हस्ताक्षरित MoU तथा बैंक खाते इत्यादि की वांछित जानकारी तत्काल ईमेल : ms.cgspc@gov.in पर प्रदाय करने का कष्ट करें।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

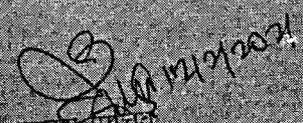

(अनूप कुमार श्रीवास्तव)
सदस्य सचिव

राज्य योजना आयोग, छत्तीसगढ़
नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 12/02/2021

पृ.क. 397/F2(N)-05/रायोआ/अप्र/2021

प्रतिलिपि :-

1. निज सचिव, माननीय उपाध्यक्ष, राज्य योजना आयोग, छत्तीसगढ़।
2. निज सहायक, माननीय सदस्य, राज्य योजना आयोग, छत्तीसगढ़।


सदस्य सचिव
राज्य योजना आयोग, छत्तीसगढ़

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

DESCRIPTION OF THE PARTIES :

This Memorandum of Understanding hereinafter referred to as 'MoU' is signed on the day of 3/02/2021 by the following two parties :

- State Planning Commission, Chhattisgarh hereinafter called SPC (which expression shall unless repugnant to the content or meaning thereof, be deemed to include its successors and permitted assignees) is an organization under the Government of Chhattisgarh entrusted with the task of acting as a think tank and for providing evidence based advisories to the State Government for achieving different development goals of present times without impairing the sustainable development for future generation. In this endeavor SPC attempts to outreach academic institutions of repute and willing to collaborate with other think tanks available in relevant fields.
- ----- Teaching faculty and Research Scholars of Universities and Colleges/ Officials of Central and State Government departments/ Corporations/Boards etc. / Officials of research and training institution /a registered public trust of India/An independent researcher hereinafter called "Researcher" mandated to execute development oriented studies

AIMS AND OBJECTIVES :

In accordance with the mandate and applicable scope of SPC both the entity have agreed to sign an Memorandum of Understanding (MoU) with the aim to undertake Studies / Research / Project which have translational significance for the growth and development of the people and State.

SCOPE :

NOW THIS DEED WITNESSES and it is hereby agreed by and between the parties as follows :-

SPC under its scheme will provide financial assistance to researcher based on the study proposal submitted by researcher. The proposal has been duly vetted for its applicability & usefulness by SPC and sanction is accorded accordingly.

PERIOD OF MOU :

This Memorandum of Understanding shall be valid for the period of scheduled study period which is mentioned in the sanction order issued by the SPC.

RESPONSIBILITIES OF SPC :

- To accept, vet & sanction the proposal of Studies / Research / Project etc. and intimate sanction of the proposal and release the agreed fund, as scheduled in the sanction order / scheme guidelines.

RESPONSIBILITIES OF RESEARCHER

- To conduct the Studies / Research / Project in the agreed field within the time frame mentioned in the sanction order issued by SPC.
 - Submission of progress report, interim report, final report and presentations as per guidelines / sanction order.
 - Submission of assets of non-recurring types procured from SPC grant.
 - Submission of utilization certificates, vouchers, expenditure details to SPC and refund of any unspent amount.

TERMS AND CONDITIONS :

The first installment of the grant shall comprise of full grant for the non-recurring and 50% of the total recurring grant approved by the SPC. The grant will be released to the Head of the institution for onward payment to the researcher.

On receipt of first interim report, statement of expenditure and utilization certificate of 1st installment of grant in the prescribed proforma from the head of the institution, the remaining grant will be released as scheduled in the sanction order / scheme guidelines.

- The Draft Report of the project will be presented before the Research Evaluation Committee and their suggestions are to be incorporated, as far as possible. The final report shall be comprehensive enough to serve as a record. It is mandatory to send final report with executive summary and recommendations to State Planning Commission with following documents —

- 5 Copies of the final report of project along with soft copy.

- A consolidated item wise detailed statement of expenditure incurred during the complete project period in the prescribed proforma duly signed and sealed by the researcher.

- A consolidated Audited Utilization Certificate for the amount actually utilized towards the project duly signed and sealed by Chartered Accountant, as well as the researcher in the prescribed proforma.

- The unutilized part of the grant if any, may be refunded immediately through NEFT/RTGS/demand draft (drawn in favour of the Member Secretary, State Planning Commission).

- The SPC may share and use the outcome of the study/research/project with related and relevant departments of the government and the report shall be the joint property of the SPC, researcher and institution.

- The Institutions will be responsible to settle the accounts immediately on completion of the project.

- The Executive summary of the report, Research documents, monograph, academic papers shall be published on the website of the State Planning Commission.

- Project is not transferable in any case.

- If researcher fails to complete the project within the allotted time frame as given in the sanction order, the institution and researcher will be held jointly and severally responsible to refund the entire amount released with interest.

- If the researcher is transferred from his/her original place of work to another place/institutions, No Objection Certificate should be furnished for the transfer of the project from both the Institutions stating that necessary facilities will be provided by the Institution in which the grantee is transferred for the smooth functioning of the project.

SETTLEMENT OF DISPUTE :

- Any difference or dispute between the parties concerning the interpretation and / or implementation and / or application of any of the provisions of this MoU shall be settled amicably through mutual consultation or negotiations between the parties.

- The parties are entering into this MoU in good faith and intentions.

- Neither party shall be responsible for any liabilities arising out of death, injury or any legal action in respect of the field staff, researcher or any other persons associated with the operationalization of this MoU who is not otherwise a staff of either party.

MANDATE FORM
ELECTRONIC CLEARING SERVICE (CREDIT CLEARING)/REAL TIME GROSS SETTLEMENT (RTGS) FACILITY FOR RECEIVING PAYMENTS

A. DETAIL OF ACCOUNT HOLDER:-

NAME OF ACCOUNT HOLDER	REGISTRAR
COMPLETE CONTACT ADDRESS	PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)
TELEPHONE NUMBER/FAX/E-MAIL	0771-2262540, F. 2262818 registrar prsu@gmail.com

B. BANK ACCOUNT DETAILS:-

BANK NAME	STATE BANK OF INDIA RAIPUR (C.G.)
BRANCH NAME WITH COMPLETE ADDRESS, TELEPHONE NUMBER AND E-MAIL	PT. R.S.U. BRANCH, AMANAKA G.E. ROAD RAIPUR 0771-2262725, 2263939, sbi.03739@sbi.co.in
WHETHER THE BRANCH IS COMPUTERISED?	YES
WHETHER THE BRANCH IS RTGS ENABLED? IF YES, THEN WHAT IS THE BRANCH'S IFSC CODE	SBIN 0003739
IS THE BRANCH ALSO NEFT ENABLED?	YES
TYPE OF BANK ACCOUNT (SB/CURRENT/CASH CREDIT)	SB
COMPLETE BANK ACCOUNT NUMBER (LATEST)	10049592111
MICR CODE OF BANK	492002010
UNIQUE CODE OF PFMS	PRSU

I hereby declare that the particulars given above are correct and complete. If the transaction is delayed or not effected at all for reasons of incomplete or incorrect information I would not hold the user institution responsible. I have read the option invitation letter and agree to discharge responsibility expected of me as a participant under the scheme.

The above institution, Account Number and bank details are registered/mapped under public finance management system (PFMS) -

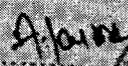

 (.....15.02.21.....)
Registrar
 Signature of authority with office seal
 RAIPUR (C.G.)

Date: 15/02/2021

Certified that the particulars furnished above are correct as per our records.

(Bank's stamp)




 (.....)
 Signature of authorized officer from the bank



SIGNING OF MOU

- A) Both the parties hereby agree to execute this MoU in the spirit of its Aims and Objectives,
- B) There are two signed copies of this MoU, a copy of each shall be retained by both the parties hereto
- C) BY SIGNING BELOW, the parties, acting by their duly authorized officers, have caused this MoU to be executed, effective as of the day and year of signing of this MoU.

Signed for and on behalf of State Planning Commission, Chhattisgarh, Raipur	(Anup Kumar Shrivastava) Member Secretary Chhattisgarh State Planning Commission
---	---

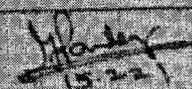
Place :

Dated :

Witnesses :

(1) _____

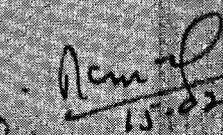
(2) _____

Signed for and on behalf of <u>Pt. Ravishankar Shukla</u> <u>University</u>	 15.02.21 Registrar Dr. Girish Kant Pandey REGISTRAR Pt. Ravishankar Shukla University RAIPUR (Chhattisgarh)
---	--

Place :

Dated :

Witnesses :

- (1) Dr. Amarendra Pandey  15.02.2021
- (2) Dr. B.L. Sonke  15.02.21

प्रति,

श्री अरुण कुमार चौधरी

सहायक सचिव, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

विषय: राज्य योजना आयोग की प्रस्तुत तथा अनुमोदित प्रस्ताव "छात्रीसंगठन में एवं महाविद्यालय समूह के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थानकरण का अनुमोदन (द्वि) एवं राजनांदगांव जिला के विशेष सार्वजनिक कार्यक्रमों को शामिल किया गया है।

संदर्भ: आपका पत्र क्रमांक 306/F2(N)-05, तारीख 05/02/2021 तथा रायपुर कटल नगर दिनांक 12/02/2021

उपरोक्त विवरणों पर विचार के बाद यह है कि छात्रीसंगठन में एवं महाविद्यालय समूह के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थानकरण का अनुमोदन (द्वि) एवं राजनांदगांव जिला के विशेष सार्वजनिक कार्यक्रमों को शामिल किया गया है।

आर. MOU का प्रारंभ और बैंक खाते अन्य आवश्यक विवरणों के अनुसार दिए गए हैं।

1. इस विवरण का पता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर जिला रायपुर

2. बैंक का नाम: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय Ac. No. 1004951211/IESC

3. कोड: SBIN001739, निरस्त किया गया चेक: 603606

4. अक्षर कार्ड की संख्या: 2244 0117 4034

5. सरकारी प्रतियों और हार्ड अनुमोदनकार्डों का नाम खोलें: श्री विशेष कला पाठ्य, राजनांदगांव, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय registrarprsu@gmail.com 07712267540

श्री अरुण सती महापात्र प्रयास, अर्थात् राजनांदगांव

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर archanasethi96@gmail.com

संलग्न 1 अक्षर कार्ड की प्रतियाँ

2 निरस्त किया गया चेक नं. 603606

सहायक सचिव, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

**Study of Transport Characteristics and
Optoelectronic Properties of Reduced Graphene
Oxide**

THESIS

(18 July 2016 – 15 May 2017)

Submitted by

Ms. SARBHJOT KAUR

In partial fulfillment for the award of the degree of

Master of Technology

in

Optoelectronics and Laser Technology

Under the guidance of

Dr. S.P. KHANNA

PRINCIPAL SCIENTIST

CSIR - NATIONAL PHYSICAL LABORATORY, NEW DELHI



**School of Studies in Electronics and Photonics
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)
May 2017**

ICE Publishing is part of the Institution of Civil Engineers

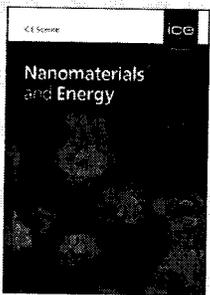


Cart Mobile Help Sign in | Register

Enter words / phrases / DOI / ISBN / authors / keywords / etc. Anywhere Search

Home Journals Books Subjects Information News About Contact

Home Nanomaterials and Energy List of Issues Volume 9, Issue 2 Effect of ZnO ETL and MoO₃ HTL with PCDTBT:PC₇₀BM-based BHJ organic solar cells



Nanomaterials and Energy

ISSN 2045-9831 | E-ISSN 2045-984X
Volume 9 Issue 2, December 2020, pp. 245-252

Effect of ZnO ETL and MoO₃ HTL with PCDTBT:PC₇₀BM-based BHJ organic solar cells

Authors: Anil Kumar Verma, MSc, NET Naman Shukla, MTech, NET Sanjay Tiwari, PhD

Author Affiliations

https://doi.org/10.1680/jnaen.18.00021
Published Online: December 16, 2020

Keywords: characterisation fabrication solar cells



Key: Open access content Subscribed content Free content Trial content

Abstract

Discover ICE Science
Innovative interdisciplinary materials science journals

Visit ICE Bookshop and discover our print books
Manuals, guides and more!
BROWSE NOW

Are you an ICE member?
To see your access options
Click here now

Content tools

National MOU - 02 ^① Court of India
② National organization 23



छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

N 532724

①9
Pharmacy
3.7.2



University Institute of Pharmacy
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh

And



Life Sciences Sector Skill Development Council (LSSSDC)

New Delhi

On

SKILL DEVELOPMENT INITIATIVES IN LIFE SCIENCES SECTOR

Date: October 2021 | New Delhi | India

4848

09/11/2021 रावबल्लभ

DISTRICT TREASURERY OFFICER
25 OCT 2021
RAIPUR (CHHATTISGARH)

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

रायपुर

जाइक साइन्स सेक्टर 2 कोल इलाहाबाद

नई दिल्ली

डॉ. ए. ए. अ. काग

विश्वविद्यालय



मंगलदास रावबल्लभ, जामनगर
रायपुर (छत्तीसगढ़)

25

Memorandum of Understanding

This Memorandum of Understanding has been made and agreed upon between the parties mentioned below, signed on the October 2021 by and between the following two entities collectively referred to as "Parties" and each referred to individually as "Party".

University Institute of Pharmacy, hereinafter referred to as an University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, having its registered office at Raipur, Institute Of Pt. Ravishankar Shukla-492010, Chhattisgarh represented by **Registrar** of the University as "First Party" which expression shall, where the context so admits, be deemed to include its successors, executors and administrators of the FIRST PARTY

AND

Life Sciences Sector Skill Development Council (LSSSDC), a Sector Skill Council set up by National Skill Development Corporation (NSDC) working under aegis of Ministry of Skill Development & Entrepreneurship (MSDE) for the Skill development initiatives in Banking, Financial Services and Insurance Sector across the country, functioning from its head office 14th Palam Marg, Vasant Vihar, New Delhi - 110057 acting through **Mr. Ranjit Madan - CEO**, LSSSDC Sector Skill Council of India (herein after referred to as "LSSSDC" which expression shall, unless repugnant to the context or meaning thereof, includes its successor in office, legal representatives and permitted assigns) of the SECOND PARTY

WHEREAS Institute of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur would be taking steps for the implementation of relevant programmes, mutually decided by both the parties, which would aim to enhance the employability of students by equipping them with Industry relevant skills.

AND **WHEREAS**, LSSSDC through its Education & Skill Development initiatives will work closely with its members and Industry Associates to help improve the quality of the employable skills of students of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh. In this regard, there are various Technical and Non-Technical courses undertaken to meet this objective.

Now it is hereby mutually agreed amongst both parties to this MoU and binds themselves to the terms and conditions enumerated in succeeding paragraphs/Annexures A and B.

Background

National Skill Development Policy 2015 mandated as tremendous growth plan in order to bridge the

National Skill Development Policy 2015 mandated as tremendous growth plan in order to bridge the skill gaps by complementing the vocational education system through conducting research, improving the delivery mechanism, assuring quality etc. to identify skill development needs, maintain skill inventory, planning & execution of training of trainers through development of IT enabled Labor Management Information System (LMIS).

The Indian life-sciences sector has seen a growth of 7.61 percent CAGR over the last 5 years (FY14-FY19). The Life-sciences sector, segmented into pharmaceuticals, biopharmaceuticals and contract research, with large Indian and MNC companies along with a number of medium and small companies together comprising of approximately 8000 active companies. A majority of Industrial units are concentrated in the clusters in western and southern parts of the country. Make in India, Ayushman Bharat, recently announced API and medical device package and Biotechnology Clusters would be impacting the growth positively. Sector is currently employing 9.03 Lacs workforce and expected to create 1.70 Lacs new opportunity till 2022 in an optimal growth scenario, despite of COVID-19 pandemic.

Pharmacy Council of India (PCI) in their circular Ref No. 14-260/2014-PCI/4486 dated 30th of September 2020 includes LSSSDC QPs as elective subjects for skill packs for B.Pharma (Semester- VIII) candidates.

This MoU with LSSSDC aid skill development in line with industry focused Job Roles. This will enhance employment opportunities for freshers in Life Sciences (Pharma, Bio-Pharma, CRO & Ayush) Industries.

Scope of Work

- a. Institute of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh will provide academic support for skill development activities with joint association of LSSSDC. LSSSDC will facilitate the skilling process within its boundaries of function.
- b. University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh can select any of the following Job Roles as elective for VIII Semester B.Pharma Candidates
 - Production Manufacturing Chemist
 - Quality Control Chemist

- c. Training of Trainers will be provided by LSSSDC to identified faculty of Institute of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh.
- d. Study Material (Books/E-Books) for various Job Roles is available with LSSSDC, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh will inform their requirements in advance to LSSSDC.
- e. Option for E-Skilling by Industry experts is available with LSSSDC and will be provided on requirement.
- f. Assessment of the enrolled candidates shall be conducted by LSSSDC based on its norms of National Skills Qualification Framework (NSQF) based Assessments Guidelines.
- g. LSSSDC will facilitate Placement/Apprenticeship to successful assessed and certified candidates.

1. Roles and Responsibility

The principal roles and responsibility of the parties will be as set out in Annexure A.

2. Parties Shall

- A. Not use other party's Intellectual Property unless such other party consents to such use.
- B. Not do anything which in the reasonable opinion of the other party is or will be harmful to the reputation of the other party.
- C. Keep each other informed of any matters relevant to the overall functioning.
- D. Share their expertise or any other information which would be of mutual benefit.

3. Financial Terms and Conditions

- A. The candidate will pay the assessment fees as per prevailing charges.
- B. The candidate will pay Training of Trainers fees as per prevailing charges.
- C. The candidate will pay cost for books/e-books.
- D. The candidate will pay fees for online training/webinar as per the requirement.
- E. All fee to be paid directly before the said activity in advance to LSSSDC by candidate.
- F. LSSSDC will send the letter to the Institute in advance about charges of the course.

4. Duration/ Term of the MoU

- A. The MoU shall begin from the date of its execution by the parties hereto.
- B. This MoU shall continue in full force and effect up to 5 years from the date of signing

i.e. up to 7th October, 2026.

- C. Validity of this MoU shall be extended sufficiently early for further period/batches on mutual agreement by the parties to the MoU.
- D. This Memorandum of Understanding is a document of good faith and Implementation of the MoU would be monitored on a six-monthly basis.

5. Termination

- a) Either party may terminate this MoU by mutual understanding by giving 3 (three) months' notice in writing served on other.
- b) The parties to the MoU understand that, where a course, as aforesaid, is under continuance, the termination shall take effect only on completion of the subsisting course.
- c) Save as otherwise set out in this MoU, the termination of this MoU howsoever arising is without prejudice to the rights, duties and liabilities of either party accrued prior to termination.

6. Confidentiality

- a) Each party hereto agrees with the other:
 - To keep information in strict confidence and secrecy.
 - Not to use the information save for complying with its obligations under this MoU.
 - Not to disclose the same to a third party other than the party's professional advisers and such employees of the other party on a need to know basis as per requirements of this MoU, who are under a similar duty to protect confidential information, or any third party having a legal right to obtain disclosure thereof.
- b) The restrictions contained in above clause shall apply to both the parties during the term of and for (one) year after the termination of this MoU but shall cease to apply to information or knowledge which:
 - Has in it's entirely become public knowledge otherwise than through any unauthorised disclosure or other breach of such restriction.
 - The other party has consented in writing to the same being disclosed.
 - Is or has been independently developed by the other party without reference to or use of the confidential information.

- Each party designates the Nodal officer to arrange academic facility, Institute of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010, Chhattisgarh form FIRST party and Mr./Ms....., Cluster Head – North, LSSSDC forms second party.

7. Dispute Resolution

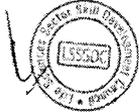
Any disputes and differences whatsoever arising under or in connection with this MoU which could not be settled by parties through negotiations, after the period of thirty (30) working days from the service of the notice, shall be finally settled by arbitration in accordance with the Arbitration and Conciliation Act, 1996 and the Amendment Act 2013. The parties will make reference for a sole arbitrator to be appointed by the parties in consultation with each other. The place of arbitration shall be at New Delhi.

Upon approval by each party, this agreement will remain in effect for the period of 5 years, unless terminated earlier by either institution.

Notwithstanding the above, the period of this co-operation will, if necessary be extended with consent in writing from the parties.

IN WITNESS WHEREOF all the parties hereto set their hands and signed the Memorandum of Understanding on the October 2021.

LSSSDC Sector Skill Council of India	College/University Name
---	--------------------------------

<p>Mr. Ranjit Madan Chief Executive Officer LSSSDC Sector Skill Council of India</p>  <p>Witness:</p> <p>Mr. Sachin Sachdeva, Director LSSSDC</p> <p>Mr. Cluster Head Name</p>	<p><i>[Signature]</i> 16.12.21 Registrar Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010, Chhattisgarh</p> <p>Registrar Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010, Chhattisgarh</p> <p>Witness:</p> <p><i>[Signature]</i> 8/12/2021 1. Prof. Swarnlata Saraf, Director, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010, Chhattisgarh</p>
---	--

Annexure A

Roles and Responsibility

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010, Chhattisgarh, will:

- ❖ Arrange/prepare the adequate academic infrastructure in terms of laboratories as available.
- ❖ Nominate Trainers from their institute for Train the Trainer Program to be organized by LSSSDC.
- ❖ Mobilize the students in any of these Job Roles as elective for 8th Semester B.Pharma candidates
 - Pharma Manufacturing Chemist
 - Quality Control Chemist

- ❖ Assist training in accordance with the approved curriculum for both general and skill component
- ❖ Assist deployment of faculty and equipment labs in the colleges as per the requirements of the respective job roles.
- ❖ Distribute books/e-books and study materials relevant for student learning provided by LSSSDC.
- ❖ Co-ordinate industry guest lectures, industry visits during the training.
- ❖ University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010, Chhattisgarh can inform LSSSDC if they require e-skill training by Industry Experts for their candidates in advance.
- ❖ Transfer the cumulative assessment.
- ❖ Share the result & certificate to the candidates.

LSSSDC Skill Sector Council of India will:

- ❖ Support Institute in selection of Job Roles.
- ❖ To Conduct Training of Trainers.
- ❖ Develop the curriculum of skill component.
- ❖ Support, if academia wants to set-up AR-VR training facility.
- ❖ Provide Books, E-Books, Digital Interactive Content as per requirement.
- ❖ Facilitate E-skill trainings by industry experts as per requirement.
- ❖ Conduct skill assessments and share result & certificates.
- ❖ Provide access to successful candidates on www.skillstojobs.in which will help candidates to get Apprenticeship/Placement Opportunities on priority.

09

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

छत्तीसगढ़ CHHATTISGARH

N 532126



University Institute of Pharmacy
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh

And



VIIPS Enterprises
New Delhi

Handwritten signature
PRACHI SINGH

On

SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP
INITIATIVES IN LIFE SCIENCES SECTOR

Date: October 2021 New Delhi, India

Memorandum of Understanding

This Memorandum of Understanding has been made and agreed upon between the parties mentioned below, viz. between 1.2.3. and between the following two entities collectively referred to as 'Parties':

1. *[Faded text]* hereafter referred to as 'First Party' and 2. *[Faded text]* hereafter referred to as 'Second Party'. The expression 'Parties' shall mean and be deemed to include its directors, executives and administrators.

AND

VHPS Enterprises (VHPSE), a Training & Consultancy organization, registered with Ministry of Skill Development & National Education, Council (NICE), GOI for the Skill Development, Entrepreneurship and Capacity Building in Manufacturing, Education, IT and other services sector, is a non-profit organization from its head office at: 100C, Pocket 2, Sector 14, Phase 2, New Delhi - 110049, acting through Dr. H.N. Singh, Director, VHPSE Enterprises hereafter referred to as 'VHPSE' which expression shall, unless a reference to the contrary, during the term of this MOU, include its directors, legal representatives and permitted successors. SECOND PARTY

WHEREAS Institute of Post Graduate Studies, Raipur would be taking steps for the implementation of various programs mutually decided by both the parties, which would aim to enhance the employability of students by equipping them with industry relevant skills.

And WHEREAS VHPSE through its Education, Entrepreneurship & Skill Development initiatives will work closely with its members and Industry Associates to help improve the quality of the employable skills of students of PG. Ravishankar Sukla University, Raipur, Chhattisgarh. In this regard, there are various technical and non-technical courses undertaken in mutual consubjective view that hereby mutually agreed amongst both parties to this MOU and binds themselves to the terms and conditions enumerated in succeeding paragraphs A and B.

[Faded text]

[Signatures]
Prachi Singh

- (11)
- F. The candidate will submit the fee in form of DD in favour of VIIPSI (second Party) to the Institute of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (First Party).
- G. All fee to be paid 50% after completion of 50% of syllabus and balance within 15 days of completion of said activity to VIIPSI.

4. Duration/ Term of the MoU

- A. The MoU shall begin from the date of its execution by the parties hereto.
- B. This MoU shall continue in full force and effect upto 3 years from the date of signing i.e. upto 7th October, 2024.
- C. Validity of this MoU shall be extended sufficiently early for further period/batches on mutual agreement by the parties to the MoU.
- D. This Memorandum of Understanding is a document of good faith and implementation of the MoU would be monitored on a six-monthly basis.

5. Termination

- a) Either party may terminate this MoU by mutual understanding by giving 3 (three) months' notice in writing served on other.
- b) The parties to the MoU understand that, where a course, as aforesaid, is under continuance, the termination shall take effect only on completion of the subsisting course.
- c) Save as otherwise set out in this MoU, the termination of this MoU howsoever arising is without prejudice to the rights, duties and liabilities of either party accrued prior to termination.

6. Confidentiality

- a) Each party hereto agrees with the other:
- To keep information in strict confidence and secrecy
 - Not to use the information save for complying with its obligations under this MoU.
 - Not to disclose the same to a third party other than the party's professional advisers and such employees of the other party on a need to know basis as per requirements of this MoU, who are under a similar duty to protect confidential information, or any third party having a legal right to obtain disclosure thereof.

Hem Nandan Singh

Shantanu Singh

Prachi Sinha

- a. Institute of P. Ravishankar Shukla University, Raipur, will provide support for skill development & Entrepreneurship activities with joint association of VHPSE. VHPSE will facilitate the skilling process within its boundaries of function.
- b. Institute of P. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh can select any of the following as elective regular for VIII requisite Semester II Pharma students:
 - Production/Manufacturing Chemist
 - Entrepreneurship
 - Project Management
 - Communication/HR related
 - Medical devices
 - Industry oriented job roles.

(Note: Additional job roles will be included with mutual consent of both party.)

- c. Training of Trainers will be provided by VHPSE to identified faculty of Institute of P. Shukla University, Raipur, Chhattisgarh.
- d. Study Material (E-Books) for various Job Roles/subject will be provided by VHPSE.
- e. E-Skilling by industry experts on mutually agreed subjects will be provided by VHPSE.
- f. Assessment/evaluation S & P certification can be arranged by VHPSE & can be certified by third party, such as NPC, GOI institution, as per their fees guidelines.

The principal roles and responsibility of the parties will be as set out in Annexure A

1. Roles and Responsibility

2. Parties Shall

- A. Not use other party's Intellectual Property unless such other party consents to such use.
- B. Not do anything which in the reasonable opinion of the other party is or will be harmful to the reputation of the other party.
- C. Keep each other informed of any matters relevant to the overall functioning.
- D. Share their expertise or any other information which would be of mutual benefit.

3. Financial Terms and Conditions

- A. The candidate will pay directly the Assessment fees as per agreed terms.
- B. The candidate will pay directly the Training of Trainers fees as per agreed terms.
- C. The candidate will pay directly the cost for e-books/ study material.
- D. The candidate will pay directly fees for online training/webinar as per agreed terms.
- E. The candidate will pay directly the fees for seminars/workshops as per agreed terms.

[Handwritten Signature]

[Handwritten Signature]

PRACHI SINGH

- b) The restrictions contained in above clause shall apply to both the parties during the term of and for (one) year after the term of this MOU but shall cease to apply to information or knowledge which
- Has in its entirety become public knowledge otherwise than through any unauthorized disclosure or other breach of confidentiality.
 - The other party has consented in writing to the same being disclosed.
 - Is or has been independently developed by the other party without reference in or use of the confidential information.
 - Each party designates the Nodal officer to arrange academic facility, Director University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh from The FIRST party and Dr. H.H. Singh, Director, VHPSE from The SECOND party.

7. Dispute Resolution

Any disputes and differences whatsoever arising under or in connection with this MOU which could not be settled by parties through negotiations, after the period of thirty (30) working days from the service of the notice, shall be finally settled by arbitration in accordance with the Arbitration and Conciliation Act, 1996 and the Amendment Act, 2015. The parties will make reference for a sole arbitrator to be appointed by the parties in consultation with each other. The place of arbitration shall be at New Delhi.

Upon approval by each party, this agreement will remain in effect for the period of 2 years, unless terminated earlier by either institution.

Notwithstanding the above, the period of the cooperation will, if necessary, be extended with consent in writing from the parties.

Handwritten signature

Handwritten signature

PRACHI SINGH

14

IN WITNESS WHEREOF all the parties hereto set their hands and signed the Memorandum of Understanding on the 10th July 2021

VHPSE Enterprises (VHPSE)ISE

FOR VHPSE ENTERPRISES

Hari Narain Singh

Dr H N Singh
Director, VHPSE

Witness

Shantanu Singh

1. Mr. Shantanu Singh, Director

PRACHI SINGH

2. Ms Prachi Singh

College/University Name

Shantanu Singh
16.12.21

Registrar,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur-492010

Witness:

Swarnalata Singh

1. Dr. Swarnalata Singh, Director,
University Institute of Pharmacy,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur-492010, Chhattisgarh

- Facilitate E-skill trainings by industry experts as per requirement
- Arrange trainers/faculty for Job Roles/Units/Topics & also for subjects syllabus of college
- Conduct skill assessments/evaluation and share result & certificate

How many in high:

Shantanu Singh

PRACHI SINGH

Annexure A

Roles and Responsibility

Pharmaceutical Society of India, Jaipur, Chapter will:

- Arrange project & internship reference letter
- Nominating Training Team that will act as Train for Trainer Program to be organized by VHPSE

• Mobilize the students in view of their Job Roles as elective register for the respective Semesters B Training candidates

- Inspection Monitoring Officer
- Compliance Officer
- Project Manager
- Communication HR Officer
- Medical Director
- Industry relevant skills

(Additional job roles will be included with mutual consent of both parties)

- Train training in accordance with the approved curriculum for both general and skill component
- Assist in procurement of faculty and equipment lab infra facilities as per the requirement of the respective job roles
- Distribute eBooks and study materials relevant for student learning provided by VHPSE
- Willing to pay for study materials (E-Books) in advance to VHPSE
- Coordinate industry guest lecture, industry visits during six training
- Director Institute of Pharmacy Dr. Ravishanker Sharma University, Rajasthan, Chhatrasgarh will inform VHPSE if they require a skill training by Industry Experts for their candidates in hospital
- Share the result & certificate to the candidates

VHPSE will:

- Support Colleges in selection of Job Roles (title/ topics)
- Conduct Training of Trainers
- Develop the curriculum of skill component (Job Roles title/ topics)
- Provide Book, E-Books, Digital Interactive Content as per requirement

Handwritten signature: Hari Narain

Handwritten signature: Shri...

PRACHI SINGH

7

3.7.2

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

INTERNATIONAL INSTITUTE OF WASTE
MANAGEMENT (IIWM)

No. 6, First Floor, Sankey Road, Lower Palace
Gardens, Sadashivnagar, Bangalore 560 003

AND

Institute of Renewable Energy Technology & Management
School of Electronics & Photonics
Dr. Ravishankar Shukla University
Bhopal
Date: 04/2018

The Institute of Renewable Energy Technology & Management and S.o.S in Electronics & Photonics Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur hereinafter referred to as Party-1, International Institute of Waste Management, hereinafter referred to as Party-2, and collectively referred to as the Parties, and separately, the Party, have concluded this memorandum as follows:

1.1 By signing this memorandum, the Parties confirm that the interests of each of them correspond to joint and coordinated cooperation to support and develop scientific research and create industrial entrepreneurship, through an effort to foster "Lab to Land Research", within their competence and in accordance with the principle of legality, equality, and trust and scientific cooperation in the following areas:

- Creation of joint programmes and projects operating in accordance with applicable laws and guidelines of both the parties.
- Opening a Project Implementation Unit (PIU)/ Project Office at Pt. Ravishankar Shukla University to undertake the joint activities for the period of this MoA
- Carryout outreach programmes jointly supporting the Government Schemes and Programmes of the State of Chhattisgarh and India
- Solicit the participation of established industries and Voluntary organisations to partner in the above programmes

Other specific areas of cooperation are established and regulated by additional packages of contractual documentation of the Parties as per this 'Umbrella Framework Association'.

The subject of cooperation is also:

- The provision of consulting and intermediary services in order to meet the needs of third parties and their branches in the necessary activities and services;
- Mutually beneficial cooperation not prohibited by law.

Cooperation plans, specific transactions, completed projects or programs will be provided by the Protocols or Additional Agreements to this Memorandum

1.2 The parties undertake to carry out joint actions in the above field in order to realize common interests and achieve common goals.

The objectives of this Memorandum are as below:

- 1.2.1 To undertake activities and programmes on waste management, resource efficiency, circular economy, waste management entrepreneurship and climate change due to waste management
- 1.2.2 To conduct research on new and innovative areas on waste management, resource efficiency, circular economy, waste management entrepreneurship and climate change due to waste management
- 1.3 The parties shall carry out joint actions in manners and on the terms of this memorandum, as well as individual agreements as concluded by the parties.
- 1.4 In the process of achieving their goals and realizing common interests the parties undertake to build their relations on the basis of equal rights, honest and bona fide partnership, as well as protect the interest of each other.
- 1.5 To ensure the most rapid and effective achievement of goals, the parties undertake to exchange information at their disposal regarding the joint interests, as well as to conduct joint consultations, if necessary.
- 1.6 The parties undertake to take all necessary measures to preserve the confidential information they received from each other in the process of cooperation, in accordance with the terms of this memorandum.
- 1.7 The specific types and forms of cooperation between the Parties, as well as the possible attraction of resources to achieve common goals and the realization of common interests, are agreed upon by the Parties separately, by concluding relevant treaties and agreements.
- 1.8 Income received as a result of joint activities and scientific cooperation of the Parties shall be distributed in each case according to a separate agreement of the Parties.
- 1.9 The Parties certify that this memorandum is not a preliminary agreement and does not impose on the Parties any legal obligations regarding the conclusion of any future agreements.

2.1 This memorandum comes into force from the moment of its signing by the Parties and is valid until 2023 (hereinafter -the validity of the memorandum).
If, after the expiration of the validity period of this memorandum, the Parties continue to cooperate in accordance with the terms of this memorandum and within one month have not expressed a desire to terminate it, this memorandum shall be deemed continued on the same conditions and for the same period.

3.1 Changes, additions and termination of this memorandum are allowed by mutual agreement of the Parties, and in cases established by law or this memorandum; this memorandum may be terminated or terminated in another order.

Also, this memorandum can be terminated unilaterally at the initiative of one of the Parties by sending a written notice at least 30 days before the date of its termination.

3.2 Changes and additions to this memorandum are made out in a separate written agreement; if such a change or addition is carried out by mutual agreement of the Parties.

3.3 A document that amends this memorandum is signed by authorized representatives of the Parties.

4.1 All disagreements and disputes that may arise between the Parties in connection with the implementation of this memorandum are resolved through negotiations.

5. Force Majeure

5.1 The parties are exempted from liability for non-compliance or improper performance of the terms of this memorandum in the event of force majeure for the duration of such circumstances.

5.2 By force majeure circumstances the Parties understand: natural disaster (fire, flood, landslide, etc.), military operations, epidemics, strikes, embargoes, boycotts, decisions and actions of public authorities that impede the implementation of this memorandum

5.3 The fact of occurrence and termination of force majeure circumstances is certified by relevant documents, which, according to the current legislation of the Indian Government, are confirmation of such circumstances. The party for which force majeure circumstances have occurred must immediately inform the other Party in writing.

5.4 A Party that refers to force majeure as a reason for the improper performance of its obligations under this memorandum is released from liability for such improper performance of obligations only if the force majeure circumstances referred to by the Party arose after the conclusion of this memorandum, their occurrence was caused by events that are not dependent on the will of this Party, and this Party has taken all necessary actions in order to avoid or eliminate the negative consequences of such circumstances.

6. Confidentiality

6.1 Only those persons who are directly involved in the implementation of the memorandum can familiarize themselves with the provisions of this memorandum, documentation, information related to its implementation, other persons can access the provisions of this memorandum and other materials and information only in cases expressly provided for by applicable law.

6.2 The parties are responsible for ensuring the confidentiality of the documentation obtained in the execution of the memorandum, Information and the results obtained.

6.3 The terms of this memorandum and additional agreements and its annexes, all materials, documents, information related to the conclusion and execution of the memorandum, details of the Parties and mutual obligations of the Parties are confidential.

They cannot be transferred to third parties without the prior written consent of the other Party to the memorandum, unless the transfer is associated with the receipt of documents for the execution of this memorandum of the payment of taxes, other obligatory payments and in other cases stipulated by law that governs the obligations of the Parties to the memorandum.

6.4 To maintain confidentiality, the Parties are responsible both for their actions and for the actions of their representatives.

6.5 During the term of this memorandum, and also within 3 years after its termination, the Parties shall not be entitled to transfer to third parties or otherwise disclose confidential information obtained as a result of the execution of this memorandum, nor should they use such information in bad faith.

6.6 The party that violates confidentiality is liable to the other Party in the manner prescribed by law.

6.7 The transfer of confidential information to third parties is not considered a violation of confidentiality, unless the transfer of this information is a violation of the law.

7. Final Provisions

7.1 The Parties confirm that this memorandum contains all the essential conditions stipulated for memorandums of this type, and none of the Parties will refer in the future to failure to reach agreement on the essential conditions of the memorandum as grounds to consider it non-concluded or invalid.

7.2 The Parties confirm that if any condition of this memorandum becomes or becomes invalid due to non-compliance with the law, this condition will not be taken into account or the Parties will take measures to amend the memorandum to the extent that the memorandum is valid and retained in full intentions of the Parties.

7.3 After the signing of this memorandum, all preliminary negotiations on it, correspondence, preliminary agreements and protocols of intent on matters that somehow relate to this memorandum lose their legal force.

7.4 All legal relations arising in connection with the execution of this memorandum and not settled by it are regulated by the norms of the current legislation.

7.5 The parties have given each other consent to the processing, distribution and use of personal data contained in this memorandum, its annexes, acts concluded for its implementation, with a view to the proper implementation of the terms of this memorandum and in accordance with applicable law.

7.6 Access to third parties to personal data is provided only in cases expressly provided for by applicable law

7.7 The parties confirm that by signing this memorandum they are informed of the owner of the personal data, the composition and content of the collected personal data, the rights of the owner of the personal data and the persons to whom the specified personal data is transmitted.

7.8 This memorandum is drawn up in Duplicate, having the same Legal force, one for each Party.

Details and Signatures

Rajiv Rastogi

Executive Director,
International Institute of Waste Management
6, (new 22), Sankey Road,
Lower Palace Orchards, Sadashivnagar
Bengaluru-560003

Witness

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

Girish Kant Pandey
(12.12.21)

(Prof. Girish Kant Pandey)

Registrar
Pt. Ravishankar Shukla University,
Amanaka G.E.Road Raipur (CG)
Chhattisgarh - 492010

Witness

Sanjay Tiwari

1. Dr. Sanjay Tiwari

Coordinator, Institute of Renewable
Energy Technology & Management
Professor & Head S.O.S in Electronics
& Photonics
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur

Dr. Sanjay Tiwari
Professor & head
School of Studies in Electronics & Photonics
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur